

नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

इस सप्ताह के पहले यूरोपीय संघ के विधि निर्माताओं ने वर्ष 2026 से अपने प्रस्तावित कार्बन सीमांत समायोजन कार्यविधि को लागू करने के लिए आधारकार्य किया। आवश्यक रूप से कार्बन सीमांत शुल्क भूमंडलीय उष्मण का सामना करने हेतु कार्बन की कीमत तय करने, उत्सर्जन कम करने और कार्बन रिसाव को रोकने के कार्यों के हरित सिद्धांतों से परिच्छदित है, परन्तु वास्तविक रूप में यह कुछ नहीं है बल्कि यूरोपीय संघ को निर्यात करने वाले भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के विरुद्ध एक शुल्क है। यह सही है कि यूरोपीय संघ ने इस दशक में ग्रीन हाउस गैसों विकास के दरवाजे बंद करना चाहते हैं। आगे, इस पाखंड का स्पष्ट उदाहरण यह तथ्य है कि जब पिछले वर्ष उक्रेन युद्ध से ऊर्जा की कीमतों में वृद्धि हुयी तो यूरोपीय संघ ने पुनः प्रदूषक कोयले के इस्तेमाल में कोई संशय नहीं किया था।

इसके अलावा, समृद्ध देशों ने निम्न कार्बन के तरीके / मार्ग अपनाने हेतु परिवर्तन के लिए विकासशील देशों की सहायता करने हेतु जलवायु निधिपोषण के लिए लक्षित 100 बिलियन डालर (\$) जुटाने के लिए कुछ नहीं किया है। अंतः भारत द्वारा यूरोपीय संघ कार्बन शुल्क पर आपत्ति करना सही कदम है। इसे विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यू टी ओ) के सम्मुख इस मामले को रखने और गैर-शुल्क बाधा के रूप में इसे उठाने के साथ प्रतिकारी उपायों से तत्पर रहना चाहिये। में 55% की कटौती करने के महत्वकांक्षी जलवायु लक्ष्य को निर्धारित किया है, और सर्वाधिक प्रदूषण पैदा करने वाले अपने उद्योगों के कार्बनमुक्त भत्तों को वापस लेना चाहता है। यद्यपि, अल्युमीनियम, स्टील / इस्पात, सीमेंट, उर्वरकों तथा विद्युत जैसी वस्तुओं के आयातों को लक्षित करते हुए उभरती अर्थव्यवस्थाओं पर यूरोपीय उत्सर्जन मानकों को थोपा जा रहा है। यह अंतर्राष्ट्रीय जलवायु कार्रवाई के साझा व विभेदित दायित्व के सिद्धान्त का स्पष्ट उल्लंघन है। भूमंडल के उत्तर के समृद्ध देशों का भूमंडलीय उष्मण का ऐतिहासिक दायित्व है। परन्तु उत्तरी भूमंडलीय समृद्ध देश शताब्दियों से प्रदूषणकारी उद्योगों द्वारा उच्च जीवन स्तर प्राप्त करने के बाद अब विश्व के शेष देशों के प्रतिकारी उपायों से तत्पर रहना चाहिये।

भारत द्वारा यूरोपीय संघ कार्बन शुल्क आपत्ति करना सही है क्योंकि-

- यह उसके आर्थिक विकास को प्रभावित करेगी।
- भारत भूमंडलीय उष्मण के बारे चिंतित नहीं है।
- समृद्ध देशों को अभी-भी निम्न कार्बन के तरीके / मार्ग अपनाने हेतु परिवर्तन के लिए विकासशील देशों की सहायता करने हेतु निधि पोषण के लिए 100 बिलियन डालर जुटाना है।
- भूमंडलीय उत्तर के समृद्ध देशों पर भूमंडलीय उष्मण का ऐतिहासिक उत्तरदायित्व है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

- केवल B और C
- केवल A और D
- केवल A, C और D
- केवल A, B और D

A1

:

1

A2

:

2

A3

:

3

A4

:

4

Objective Question

51 58001

The theory of 'Separation of powers' is credited to:

- Aristotle
- Locke
- Montesquieu
- Kelsen

'शक्तियों के पृथक्करण' का सिद्धांत देने का श्रेय किसे प्राप्त है?

- अरस्तू
- लॉक
- मॉटेस्क्यू
- केल्सन

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

52 58002

Who made the statement that "Jurisprudence is the study and systematic arrangement of the general principles of law"?

1. R.W.M Dias
2. Julius stone
3. Keeton C.G
4. E.W Patterson

"न्यायशास्त्र विधि के सामान्य सिद्धांतों का अध्ययन और प्रणालीबद्ध व्यवस्थापन है।" यह उक्ति किसकी है?

1. आर.डब्लू.एम.डायस
2. जूलियस स्टोन
3. कीटन सीजी
4. पैटर्सन

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4



Objective Question

53 58003

"International Law or the Law of the Nations is the name of the body of rules which according to the usual definition regulate the conduct of states in their intercourse with one another," who said it?

1. oppenheim
2. Lauterpatch
3. Brierly
4. Kelsen

"राष्ट्रों की विधि या अन्तरराष्ट्रीय विधि उस नियमावली निकाय का नाम है जो प्रायिक परिभाषा के अनुसार देशों की एक-दूसरे के साथ समागम (विमर्श) के संचालन को विनियमित करते हैं" - यह किसकी उक्ति है?

1. ओपेनहीम
2. लॉटरपॉच
3. ब्रायर्ली
4. केल्सन

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

54 58004 In case of "tort of trespass", which of the following defence shall not apply?

1. Statutory authority
2. Contributory negligence
3. Private defence
4. Mesne profits

'अतिचार के अपकृत्य' के मामले में निम्नांकित में से कौन सा बचाव लागू नहीं होगा?

1. सांविधिक प्राधिकार
2. अंशदायी लापरवाही
3. प्राइवेट (निजी) प्रति रक्षा
4. अतःकालीन लाभ (मिने प्राफिट)

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4



Objective Question

55 58005 'I promise to pay Rs.5000 and to deliver to him my black horse on 1st January next .' This is an illustration for which of the following?

1. A valid promissory note
2. An invalid promissory note
3. A valid bill of exchange
4. An invalid bill of exchange

'मैं अमुक व्यक्ति को 5000 रु. की संदायगी करने और उसे अगले जनवरी की 1 तारीख को अपना काला घोड़ा देने का वचन देता हूँ।' यह निम्नांकित में से किसका उदाहरण है?

1. विधिमान्य वचनपत्र
2. गैर-विधिमान्य वचनपत्र
3. विधिमान्य विनिमयपत्र
4. गैर-विधिमान्य विनिमयपत्र

A1 1
:
1

1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

56 58006 With respect to 'Daughters' under 'class I heirs' in the Hindu Succession Act, 1956, which one the following holds true?

1. "Daughters" means natural born daughters and not adopted daughters
2. Step daughter is included
3. Daughter includes posthumous daughter
4. Unchastity of daughter is a bar to inheritance

हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 में 'वर्ग-I के उत्तराधिकारियों' के अंतर्गत 'पुत्रियों' के मामले में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

1. पुत्रियों का अर्थ नैसर्गिक रूप से जन्मी पुत्रियाँ, न कि गोद ली गई पुत्रियाँ।
2. सौतेली पुत्री सम्मिलित की जाती है।
3. पुत्री में मरणोत्तर पुत्री सम्मिलित की जाती है।
4. पुत्री की शीलभ्रष्टता उत्तराधिकार में एक वर्जन है।

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4



Objective Question

57 58007 One of the heirs is not included in 'class I heirs' under the Hindu Succession (Amendment) Act, 2005?

1. Daughter of a predeceased daughter of a pre-deceased daughter
2. Daughter of a pre-deceased son of a pre-deceased daughter
3. Son of a pre-deceased son of a pre-deceased daughter
4. Son of a pre-deceased daughter of a pre-deceased daughter

हिन्दू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2005 के अंतर्गत 'वर्ग-I' में निम्नलिखित में से कौनसे उत्तराधिकारी को सम्मिलित नहीं किया जाता है?

1. एक पूर्व-मृत पुत्री की एक पूर्व-मृत पुत्री की पुत्री
2. एक पूर्व-मृत पुत्री के एक पूर्व-मृत पुत्र की पुत्री
3. एक पूर्व-मृत पुत्री के एक पूर्व-मृत पुत्र का पुत्र
4. एक पूर्व-मृत पुत्री की एक पूर्व-मृत पुत्री का पुत्र

A1 1
:
1

A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

58 58008 'The Grand function of the Law of Nature was discharged in giving birth to modern International Law', who said it?

1. Oppenheim
2. Henry Maine
3. Holland
4. H.L.A. Hart

'प्राकृतिक नियमों के सर्वोत्तम कृत्य ने आधुनिक अन्तर्राष्ट्रीय विधि को जन्म देने में एक आधार प्रदान किया है', यह किसकी उक्ति है:

1. ओपेनहीम
2. हेनरी मेन
3. हॉलैंड
4. एच.एल.ए. हार्ट

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4



Objective Question

59 58009 The principle of *JUS COGENS* is incorporated in which Article of the Vienna Convention on Law of Treaties, 1969?

1. Article 25
2. Article 37
3. Article 53
4. Article 63

'जस कोजेन्स' का सिद्धांत, वियना कन्वेंशन ऑन लॉ ऑफ ट्रीटीज, 1969 के किस अनुच्छेद में समाहित किया गया?

1. अनुच्छेद 25
2. अनुच्छेद 37
3. अनुच्छेद 53
4. अनुच्छेद 63

A1 1
:
1
A2 2
:
2

A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

60 58010

Which of the following is correct?

1. "The only right which any man can possess is the right always to do his duty" is Duguit's Theory
2. 'Social solidarity' a natural principle is given by Jurist Gierke
3. Pound, legal philosophy is 'Utilitarianism'
4. Austin said " Law is Social Engineering"

निम्नांकित में से कौन सा कथन सही है:

1. "एक मात्र अधिकार, जिसे कोई व्यक्ति धारित कर सकता है - वह है - सदैव अपने कर्तव्य पालन का अधिकार ड्यूगिट का सिद्धांत" है।
2. "सामाजिक समेकता (एक जुटता)" न्यायविद गियर्क द्वारा प्रतिपादित नैसर्गिक सिद्धांत है।
3. 'पाउण्ड', विधिक दर्शन 'उपयोगितावादी' है।
4. ऑस्टिन ने कहा था, "विधि सामाजिक अभियान्त्रिकी है।"

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4



Objective Question

61 58011

Resale share right in original copies under section 53 A of the Copyright Act, 1957 is not applicable to:

1. Original copy of painting
2. Original copy of sculpture
3. Original manuscript of a literary or dramatic work
4. Cinematograph film

प्रतिलिप्याधिकार अधिनियम, 1957 की धारा 53A के अधीन मूल प्रतियों में शेरर अधिकार की पुनर्बिक्री निम्नांकित में से किसमें प्रयोज्य नहीं है?

1. चित्रकारी की मूलप्रति
2. मूर्ति की मूलप्रति
3. किसी साहित्यिक या नाटकीय कृति की मूल पांडुलिपि
4. चलचित्र फिल्म

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3

A4
:
4

Objective Question

62 58012 'Voyeurism' for a second or subsequent conviction attracts a punishment of:

1. Imprisonment of not less than 1 year but which may extend to 3 years and fine.
2. Imprisonment of not less than 2 years but which may extend to 4 years and fine
3. Imprisonment of not less than 3 years but which may extend to 7 years and fine
4. Imprisonment of not less than 5 years but which may extend to 9 years and fine

द्वितीय या परवर्ती 'किसी दोष सिद्धि के लिए' 'दृश्यातिरेकता' की दशा में निम्नांकित में से कौन सा दण्ड विधान है:

1. एक वर्ष से अन्यून अवधि का कारावास किन्तु इसे 3 वर्ष तक का कारावास और जुर्माना तक बढ़ाया जा सकता है।
2. दो वर्ष से अन्यून अवधि का कारावास किन्तु इसे 4 वर्ष तक के कारावास और जुर्माना तक बढ़ाया जा सकता है।
3. तीन वर्ष से अन्यून अवधि का कारावास जिसे 7 वर्ष तक के कारावास और जुर्माना तक बढ़ाया जा सकता है।
4. पांच वर्ष से अन्यून अवधि का कारावास जिसे 9 वर्ष तक के कारावास और जुर्माना तक बढ़ाया जा सकता है।

A1
:

1

A2
:

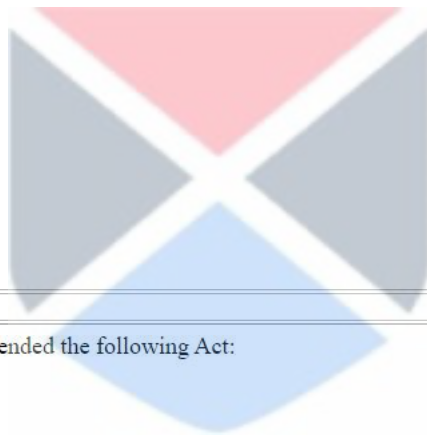
2

A3
:

3

A4
:

4



Objective Question

63 58013 The Motor Vehicle Act, 2019 has amended the following Act:

1. The Motor Vehicle Act 1988
2. The Motor Vehicle Act 1978
3. The Motor Vehicle Act 1980
4. The Motor Vehicle Act 1990

मोटर यान अधिनियम, 2019 ने निम्नांकित में से किस अधिनियम को संशोधित किया है:

1. मोटर यान अधिनियम, 1988
2. मोटर यान अधिनियम, 1978
3. मोटर यान अधिनियम, 1980
4. मोटर यान अधिनियम, 1990

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

4

Objective Question

64 58014 Which of the following theories of punishment provides that 'crime is a disease' and the object should be to 'cure disease'?

1. Deterrent theory
2. Reformatory theory
3. Expiatory theory
4. Retributive theory

निम्नांकित में से किस दण्ड-सिद्धांतों में यह है कि 'अपराध रोग' है और लक्ष्य 'रोग का उपचार' करना होना चाहिए?

1. भयात्मक सिद्धांत
2. सुधारात्मक सिद्धांत
3. प्रायश्चितिक सिद्धांत
4. प्रतिकारी सिद्धांत

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

65 58015 Which of the following legal maxims is not related to tort:

1. Ubi jus ibi remedium
2. Volenti non fit injuria
3. Res ipsa Loquitur
4. Pari delicto

निम्नांकित में से कौन सी विधिक सूक्ति अपकृत्य से संबंधित नहीं है ?

1. यूबी जस इबी रिमेडियम
2. वोलेंटी नॉन फिट इंजूरिया
3. रेस इप्सा लोकिटर हे
4. पैरि डेलिक्टो

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

66 58016

Which one of the following is not covered by the schools of Jurisprudence ?

1. The Historical school
2. The Realist school
3. The Sociological school
4. The Critical school

निम्नांकित में से क्या विधिशास्त्र की विचारधारा में शामिल नहीं है:

1. ऐतिहासिक विचारधारा
2. यथार्थवादी विचारधारा
3. समाजशास्त्रीय विचारधारा
4. आलोचनात्मक विचारधारा

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4

Objective Question

67 58017

By which writ, the decision of the highest *tribunal* of a State can be revised?

1. Mandamus
2. Prohibition
3. Certiorari
4. Quowarranto

निम्नांकित में से किस याचिका (रिट) के द्वारा राज्य में उच्चतम प्राधिकरण द्वारा दिए गए निर्णय को पुनरीक्षित किया जा सकता है?

1. परमादेश
2. प्रतिषेध
3. उत्प्रेषण
4. अधिकार-पृच्छा

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4

Objective Question

68 58018

The Berne Convention, 1886 deals with:

1. Copyright Law
2. Trade Mark Law
3. Designs Law
4. Geographical Indications Law

बर्न अभिसमय, 1886 निम्नांकित में से किससे संबंधित है:

1. प्रतिलिप्याधिकार विधि
2. व्यापार-चिह्न विधि (ट्रेडमार्क विधि)
3. अभिकल्प (डिजाइन)
4. भौगोलिक निरूपण (जी.आई. विधि)

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

69 58019

The 'bailment of the goods,' as security for payment of a debt or performance of a promise, is called:

1. Indemnity
2. Guarantee
3. Mortgage
4. Pledge

किसी ऋण के संदाय के लिए या किसी वचन के पालन के लिए प्रतिभूत के रूप में 'माल का अपनिधान', कहलाता है:

1. क्षतिपूर्ति
2. गारंटी
3. बंधक
4. गिरवी

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

70 58020

The following is known as to "SAFETY NET" of International Humanitarian Law

1. LEVEE EN MASSE
2. HORS DE COMBAT
3. HENRY DUNANTS CLAUSE
4. MARTENS CLAUSE

निम्नांकित में से क्या अन्तर्राष्ट्रीय मानवतावादी विधि का 'संरक्षा तंत्र' (सेफ्टी नेट) कहलाता है?

1. लेवी एन मासे
2. हॉर्स डी कॉम्बैट
3. हेनरी डुनैन्टस क्लॉज
4. मार्टेन्स क्लॉज

A1

:

1

A2

:

2

A3

:

3

A4

:

4



Objective Question

71 58021 The "ESTRADA DOCTRINE" was propounded by ESTRADA, who was:

1. The Foreign Minister of Spain
2. The Foreign Minister of France
3. The Foreign Minister of Mexico
4. The Foreign Minister of Malta

'एस्ट्रेडा सिद्धांत' के प्रतिपादक एस्ट्रेडा:

1. स्पेन के विदेशमंत्री थे
2. फ्रांस के विदेशमंत्री थे
3. मैक्सिको के विदेशमंत्री थे
4. माल्टा के विदेशमंत्री थे

A1

:

1

A2

:

2

A3

:

3

A4

:

4

Objective Question

72 58022

With respect to 'Muta marriage' amongst Muslims, which of the following is/are correct:

1. Spouses have no right of mutual inheritance even if one of the spouses dies when if Muta is subsisting.
2. The husband has no right of 'talaq' though the parties are free to terminate it by mutual consent
3. The children of Muta marriage are illegitimate
4. Both (1) and (2)

मुस्लिम समाज में 'मुता विवाह' के संदर्भ में निम्नांकित में से कौन सा / कथन सही है / हैं ?

1. पति/पत्नी के पास परस्पर वंशानुगति का कोई अधिकार नहीं है, भले ही पति/पत्नी में से किसी एक की मृत्यु मुता के आस्तित्व में रहने के दौरान हुई है
2. पति को तलाक का अधिकार नहीं है यद्यपि पक्षकार परस्पर सहमति से इसका परिसमापन करने के लिए स्वतंत्र हैं
3. मुता विवाह के फलस्वरूप जन्म लेने वाले बच्चे अधर्मज होते हैं
4. दोनों (1) और (2)

A1

:

1

A2

:

2

A3

:

3

A4

:

4

Objective Question

73 58023

The owner of the Copyright of the sound recording has which one of following right, under sec 14 (e) of the Copyright Act,1957.

1. to encrypt the sound recording
2. to make any adaptation of the sound recording
3. to communicate the sound recording to the public
4. to make any translation of the work recorded in the sound recording

प्रतिलिप्याधिकार अधिनियम 1957 की धारा 14 (e) के अन्तर्गत ध्वनि की रिकॉर्डिंग के प्रतिलिप्याधिकार के स्वामी के पास निम्नलिखित कौन एक अधिकार है:

1. ध्वनि की रिकार्डिंग को इन्क्रीप्ट करना
2. ध्वनि की रिकार्डिंग का कोई अनुकूलन करना
3. ध्वनि की रिकार्डिंग का जनता में संप्रेषण
4. ध्वनि की रिकार्डिंग में रिकार्ड किए गए कार्य का कोई अनुवाद करना

A1

:

1

A2

:

2

A3

:

3

A4

:

4

Objective Question

74 58024

In which case the 'principle of Prospective Overruling' was laid down?

1. *S.P Gupta v. Union of India*
2. *I.C. Golaknath v. State of Punjab*
3. *Sunil Batra v. Delhi Administration*
4. *M.C Mehta v. Union of India*

'प्रॉस्पेक्टिव ओवररूलिंग' का सिद्धांत किस वाद में प्रतिपादित हुआ?

1. एस.पी.गुप्ता बनाम भारत संघ
2. आई.सी. गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य
3. सुनील बत्रा बनाम दिल्ली प्रशासन
4. एम.सी. मेहता बनाम भारत संघ

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4

Objective Question

75 58025

Who made the following statement "Life of law is not logic, it is experience"

1. Roscoe Pound
2. H. Kelsen
3. O.W Holmes (Jr)
4. John Austin

"विधि का जीवन तर्क नहीं है, यह अनुभव है" यह किसका कथन है?

1. रोस्को पाउंड
2. एच. केल्सन
3. ओ. डब्लू. होम्स (जू.)
4. जॉन ऑस्टिन

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4

Objective Question

76 58026

Which one of the following is incorrect:

1. Patents are granted to encourage inventions
2. Protection and enforcement of patents contribute to technological innovation
3. Patented invention shall be available at reasonable affordable price.
4. The invention shall be published before applying for patent.

निम्नांकित में से कौन सा कथन गलत है:

1. आविष्कार को प्रोत्साहित करने के लिए पेटेंट का अनुदान दिया जाता है।
2. पेटेंट के संरक्षण और प्रवर्तन का प्रौद्योगिकी नवोन्मेष में योगदान होता है।
3. पेटेंट कराए गए आविष्कार उचित सस्ते मूल्य पर उपलब्ध होंगे
4. पेटेंट के लिए आवेदन करने से पूर्व आविष्कार को प्रकाशित कर इसका प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

A1
:

1

A2
:

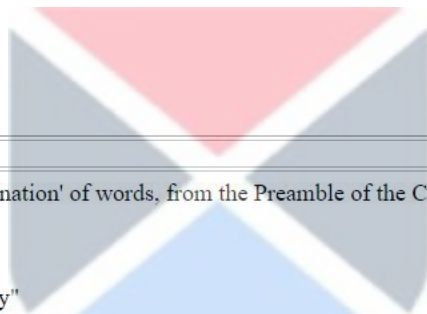
2

A3
:

3

A4
:

4



Objective Question

77 58027

Which of the following 'select combination' of words, from the Preamble of the Constitution of India, is in correct order?

1. "Fraternity assuring the integrity"
2. "Fraternity assuring the dignity"
3. "Fraternity assuring the unity"
4. "Fraternity assuring the unity and integrity"

भारतीय संविधान की उद्देशिका से उद्धृत निम्नांकित में से किस शब्द-युग्म का क्रम सही है:

1. "अखंडता का आश्वासन देनेवाला बंधुत्व"
2. "गरिमा सुनिश्चित करने वाली बन्धुता"
3. "एकता सुनिश्चित करने वाली बंधुता"
4. "एकता और अखंडता का आश्वासन देने वाला बंधुत्व"

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

78 58028

Who made the following statement:

"Large part, and as many would add the best part of law of England is judge made law, that is to say, consists of rules to be collected from the judgements of the courts"

1. Dicey
2. Lord Denning
3. Bacon
4. Bentham

यह निम्न में किसका कथन है:

"इंग्लैंड की विधि का बड़ा अंश और इसमें बहुत सी अन्य विधियों का योग होगा और यह न्यायाधीश द्वारा बनाई गई विधि है, अर्थात् इनमें वे नियम अंतर्निहित हैं जिनका संकलन न्यायालयों के निर्णय से किया जाता है।"

1. डायसी
2. लॉर्ड डेनिंग
3. बेकन
4. बैथम

A1

:

1

A2

:

2

A3

:

3

A4

:

4



Objective Question

79 58029

Which of the following case is popularly known as 'Taj Trapezium' case?

1. *M.C Mehta v. Union of India & ors* (1997) 2 SCC 353
2. *Vineet Kumar Mathur v. Union of India* (1996) 7 SCC 714
3. *Okhla Bird Sanctuary v. Anand Arya* (2011) 7 SCC 74
4. *M.C Mehta v. Union of India* (AIR 1987 SC 1086)

निम्नांकित में से कौन सा वाद 'ताज ट्रेपेजियम' प्रकरण (वाद) के नाम से प्रसिद्ध है?

1. एम सी. मेहता बनाम भारत संघ एवं अन्य (1997) 2 एस.सी.सी. 353
2. विनीत कुमार माथुर बनाम भारत संघ एवं अन्य (1996) 7 एस.सी.सी. 714
3. ओखला पक्षी अभयारण्य बनाम आनंद आर्या (2011) 7 एस.सी.सी. 74
4. एम सी. मेहता बनाम भारत संघ ए.आई.आर. 1987 एस.सी. 1086

A1

:

1

A2

:

2

A3

:

3

A4

:

4

4

Objective Question

80 58030 Which Jurist gave the classification of the sources of law as (a) binding and (b) persuasive :

1. Keeton
2. Salmond
3. Allen
4. Rosco Pound

किस न्यायविद ने विधि के स्रोत का वर्गीकरण (क) बाध्यकारी और (ख) अनुनयकारी के रूप में किया:

1. कीटन
2. सॉमण्ड
3. एलेन
4. रॉस्को पाउंड

A1 1
:

1

A2 2
:

2

A3 3
:

3

A4 4
:

4

Objective Question

81 58031 According to article 80 of the Constitution of India, the representatives of each state in the Council of States are elected by:

1. elected members of the Legislative Assembly of the State by majority vote through secret ballot.
2. all the members of the Legislative Assembly of the state by majority vote through secret ballot.
3. elected members of the Legislative Assembly of the State in accordance with system of proportional representation by means of the single transferable vote.
4. all the members of the Legislative Assembly of the State in accordance with system of proportional representation by means of the single transferable vote

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 80 के अनुसार राज्य सभा में प्रत्येक राज्य के प्रतिनिधियों का निर्वाचन किया जाता है:

1. गुप्त मतदान के माध्यम के बहुमत द्वारा राज्य की विधान सभा के निर्वाचित सदस्य
2. गुप्त मतदान के माध्यम के बहुमत द्वारा राज्य की विधान सभा के सभी सदस्य
3. एकल संक्रमणीय मत के माध्यम से आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के अनुसार राज्य की विधान सभा के निर्वाचन सदस्यों
4. एकल संक्रमणीय मत के माध्यम से आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के अनुसार राज्य की विधान सभा के सभी सदस्य

A1 1
:

1

A2 2
:

2

A3 3
:

3

A4 4
:

4

4

Objective Question

82 58032 Under which of the following principles is the "Polluter Pays Principle" envisaged?

1. Principle 15, Earth Summit, 1992
2. Principle 1 & 2, Stockholm Declaration, 1972
3. Principle 16, Rio Declaration, 1992
4. Principle 5, Rio declaration, 1992

"द पॉल्यूटर पेज़ प्रिंसिपल" की परिकल्पना निम्नांकित में से किस सिद्धांत के अधीन की गई थी?

1. सिद्धांत 15, पृथ्वी शिखर सम्मेलन, 1992
2. सिद्धांत 1 और 2, स्टॉकहोम घोषणा, 1972
3. सिद्धांत 16, रियो घोषणा, 1992
4. सिद्धांत 5, रियो घोषणा, 1992

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

83 58033 The strict adherence to the 'rule of *Locus standi*' was diluted first in:

1. *D.C Wadhwa v. State of Bihar*
2. *Parmanand Katara v. Union of India*
3. *Ratlam Municipality Council v. Vardichand*
4. *Vishakha v. State of Rajasthan*

'सुनवाई के अवसर के नियम' का कड़ाई से अनुपालन का सर्वप्रथम निम्नांकित में से किस वाद में तनुकरण (हल्का) हुआ था?

1. डी.सी. बधवा बनाम बिहार राज्य
2. परमानंद कटारा बनाम भारत संघ
3. रतलाम नगरपालिका परिषद बनाम वर्दीचंद
4. विशाखा बनाम राजस्थान राज्य

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

84 58034

Given below are two statements:

To constitute a tort:

Statement I: There must be some act or omission on the part of the defendant.

Statement II: The act or omission should result in legal damage

In the light of the above statements, choose the correct answer from the options given below.

1. Both Statement I and Statement II are true
2. Both Statement I and Statement II are false
3. Statement I is true but Statement II is false
4. Statement I is false but Statement II is true

नीचे दो कथन दिए गए हैं: अपकृत्य का निर्माण करने के लिए:

कथन I: प्रतिवादी की ओर से कोई कृत्य या लोप होना अनिवार्य है।

कथन II: कृत्य या लोप का परिणाम विधिक क्षति होना चाहिए।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. कथन I और कथन II दोनों सत्य हैं
2. कथन I और कथन II दोनों असत्य हैं
3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है
4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4



Objective Question

85 58035

Who wrote the book 'Concept of Law'?

1. Paton
2. Korkunor
3. Salmond
4. H.L.A Hart

'कन्सेप्ट ऑफ लॉ' पुस्तक के लेखक हैं:

1. पैटन
2. कोर्कुनोव
3. सामण्ड
4. एच.एल.ए. हार्ट

A1 1

:

1

A2 2

:

2

2
A3
:
3
A4
:
4

Objective Question

86 58036

In the light of which of the following Articles of the Constitution of India, the Environment (Protection) Act, 1986 was enacted:

1. Article 249
2. Article 250
3. Article 252
4. Article 253

भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के आलोक में पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 अधिनियमित किया गया ?

1. अनुच्छेद 249
2. अनुच्छेद 250
3. अनुच्छेद 252
4. अनुच्छेद 253

A1
:
1
A2
:
2
A3
:
3
A4
:
4



Objective Question

87 58037

In which of the following cases the Supreme Court observed that the noise pollution cannot be tolerated even if such noise was direct results of and was connected with religious activities?

1. *K.M Chinappa v. Union of India*
2. *A.P. Pollution Control Board v. Prof. M.V Naidu*
3. *Church of God (Full Gospel) in India v. KKR Majestic Colony Welfare Association*
4. *Common Cause v. Union of India*

निम्नांकित में से किस वाद में उच्चतम न्यायालय में पर्यवेक्षित किया कि ध्वनि प्रदूषण को सहन नहीं किया जा सकता है, भले ही इस प्रकार की ध्वनि-प्रबलता धार्मिक गतिविधियों का प्रत्यक्ष परिणाम या उससे संबंधित क्यों नहीं हो?

1. के.एम. चिनप्पा बनाम भारत संघ
2. आंध्रप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड - बनाम प्रो. एम.वी. नायडू
3. चर्च ऑफ गॉड (फुल गोस्पेल) इन इंडिया बनाम के. के. आर. मैजेस्टिक कॉलोनी वेलफेयर एसोशिएशन
4. कॉमन कॉज बनाम भारत संघ

A1
:
1
A2
:
2

A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

88 58038 Which of the following Schedules of the National Green Tribunal(NGT) Act provides for the heads of the compensation:

1. Schedule IV
2. Schedule II
3. Schedule III
4. Schedule I

राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण अधिनियम की किस अनुसूची में प्रतिकर के अंशो (भाग) का उपबंध है?

1. अनुसूची IV
2. अनुसूची II
3. अनुसूची III
4. अनुसूची I

A1 1
:
1

A2 2
:
2

A3 3
:
3

A4 4
:
4



Objective Question

89 58039 Section 28 of the Indian Forest Act, 1927 provides for

1. Protected Areas
2. Reserved Forest
3. Village Forests
4. Power of Forest Settlement Officer

भारतीय वन अधिनियम, 1927 की धारा 28 में उपबंध है:

1. संरक्षित क्षेत्र
2. आरक्षित वन
3. ग्राम्य वन
4. वन बन्दोबस्त अधिकारी की शक्ति

A1 1
:
1

A2 2
:
2

A3 3
:
3

A4 4
:
4

Objective Question

90 58040

Given below are two statements: one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R.

Assertion A: The polluter pays principle says that the absolute liability for the harm to environment extends not only to compensate the victims of pollution but also to the cost of restoring the environment degradation.

Reason R: The case *M.C Mehta v Kamalnath and other* has decided so.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below.

1. Both A and R are correct and R is the correct explanation of A
2. Both A and R are correct and R is NOT the correct explanation of A
3. A is correct but R is not correct
4. A is not correct but R is correct

नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में; अभिकथन A: प्रदूषण कर्ता 'अदाकर्ता सिद्धांत' (पॉल्यूटर पेज प्रिंसिपल) कहता है कि पर्यावरण को हुई क्षति के बदले पूर्ण दायित्व (देयता) न केवल प्रदूषण के पीड़ितों को प्रतिकर की संदायत्री तक सीमित है अपितु पर्यावरणीय अवक्रमण को पुनर्बहाल करने की लागत भी इसमें सम्मिलित है। कारण R: एम. सी. मेहता बनाम कमलनाथ एवं अन्य वाद में ऐसा अभिनिश्चय किया गया है। उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
2. A और R दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
3. A सत्य है, लेकिन R सही नहीं है
4. A सही नहीं है, लेकिन R सही है

A1 1
:

1

A2 2
:

2

A3 3
:

3

A4 4
:

4

Objective Question

91 58041

Asha, a journalist employed, writes a story in the newspaper. Deepak makes a film based on the story. Raghu and Rekha plays the lead role in the film. The dance in the film is choreographed by Ajay.

- A. Asha is the author of literary work.
- B. Proprietor of the newspaper has copyright on the story, in the absence of a contract regarding copyright.
- C. Proprietor of the newspaper has only the Publication rights
- D. Raghu and Rekha have performer's right.
- E. Ajay is the author of musical work.

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, D, and E only
2. A, C and D only
3. B and only
4. A, C, D and E only

पत्रकार के रूप में नियुक्त, आशा, समाचार पत्र में एक कहानी (स्टोरी) लिखती है। दीपक इस स्टोरी पर आधारित फिल्म बनता है। रघु और रेखा इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभाते हैं। इस फिल्म के नृत्य की कोरियोग्राफी अजय ने की है।

- आशा साहित्यिक कृति की लेखिका है।
- समाचार पत्र के स्वामी के पास स्टोरी का प्रतिलिप्याधिकार है किसी संविदा के अभाव में
- समाचार पत्र के स्वामी के पास केवल प्रकाशन का अधिकार है।
- रघु और रेखा के पास कार्य निष्पादक के अधिकार हैं
- अजय संगीतमय कृति का लेखक है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

- केवल A, D, E
- केवल A, C, D
- केवल B D
- केवल A, C, D, E

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

92 58042

About Administrative Tribunals, Supreme Court recommended in 2010 Madras Bar Association Case:

- The Tribunal should not become post-retirement heaven for civil servants.
- Members of the Tribunals should be independent person and not serving Civil servants.
- Members of Tribunal should retain lien in any government department.
- The Tribunal should resemble more the Courts and not bureaucratic boards.
- The Tribunals must depend on government for infrastructure facilities.

Choose the correct answer from the options given below:

- A, B and C only
- A, C and D only
- C, D and E only
- A, B and D only

प्रशासनिक न्यायाधिकरणों के बारे में उच्चतम न्यायालय ने वर्ष, 2010 में 'मद्रास बार एसोसिएशन वाद' में सिफारिश की थी कि:

- अधिकरण सिविल सेवकों के लिए सेवा निवृत्ति पश्चात का स्वर्ग नहीं होना चाहिए।
- अधिकरण के सदस्य स्वतंत्र व्यक्ति होने चाहिए न कि सिविल सेवा में सेवारत व्यक्ति
- अधिकरण के सदस्यों का किसी सरकारी विभाग/पद (लिएन) धारित करना चाहिए
- अधिकरण न्यायालय के सदृश होना चाहिए न कि नौकरशाही बोर्ड की तरह
- अधिकरण को आधारभूत सुविधाओं के लिए सरकार पर अवश्य ही निर्भर होना चाहिए

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

- केवल A, B, C
- केवल A, C, D
- केवल C, D, E
- केवल A, B, D

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

93 58043

- A. International Law recognises general duty of state in respect of extradition.
B. International Law does not recognise general duty of state in respect of extradition.
C. Extradition depends on the provision, of existing Extradition Treaties
D. Countries may grant extradition without a Treaty
E. Customary International Law governs extradition

Choose the most appropriate answer from the options given below:

1. A, B, D and E only
2. A, C, D and E only
3. B, C and E only
4. B, C and D only

- A. अन्तर्राष्ट्रीय विधि में प्रत्यर्पण के मामले में राज्यों के सामान्य कर्तव्य को मान्यता दी गई है।
B. अन्तर्राष्ट्रीय विधि में प्रत्यर्पण के मामले में राज्यों के सामान्य कर्तव्य को मान्यता नहीं दी गई है।
C. प्रत्यर्पण विद्यमान प्रत्यर्पण संधियों के उपबन्धों पर निर्भर होता है।
D. देश बिना किसी संधि के प्रत्यर्पण की अनुमति दे सकते हैं।
E. प्रत्यर्पण परंपरागत/रूढ़िगत अन्तर्राष्ट्रीय विधि से शासित होता है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B, D, E
2. केवल A, C, D, E
3. केवल A, C, E
4. केवल B, C, D

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

94 58044

As per Salmond , there are 4 distinct kinds of rights:

- A. Liberties
- B. Rights
- C. Power
- D. Immunities
- E. Kindness

Choose the correct answer from the options given below:

- 1. A and B only
- 2. A,B, C and D only
- 3. C,D and E only
- 4. A, B, D and E only

सॉमण्ड के अनुसार 4 प्रकार के विशिष्ट अधिकार हैं

- A. स्वतंत्रताएँ
- B. अधिकार
- C. शक्ति
- D. उन्मुक्तता
- E. दयालुता

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

- 1. केवल A और B
- 2. केवल A, B, C और D
- 3. केवल C, D और E
- 4. केवल A, B, D और E



A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4

Objective Question

95 58045

With respect to valid conditions for Hindu Marriage, u/s 5 of the Hindu Marriage Act, 1955, which of the following are true:-

- A. Neither party has a spouse living at the time of marriage
- B. Mental capacity
- C. Ceremonies of marriage
- D. Parties are not within prohibited degree
- E. No impotency

Choose the correct answer from the options given below:

- 1. A, C and D only
- 2. A, B and D only
- 3. B, C and E only
- 4. A, B and E only

हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 5 के अधीन वैध हिन्दू विवाह की शर्तों के संबंध में निम्नोक्त में से कौन से कथन सही है?

- A. दोनों में से किसी पत्रकार की (पति/पत्नी) विवाह के समय जीवित नहीं हो।
- B. मानसिक सक्षमता
- C. विवाह के संस्कार
- D. पक्षकार प्रतिषिद्ध श्रेणी के भीतर नहीं हो
- E. नपुंसकता नहीं हो

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

- 1. केवल A, C, D
- 2. केवल A, B, D
- 3. केवल B, C, E
- 4. केवल A, B, E

A1

:

1

A2

:

2

A3

:

3

A4

:

4

Objective Question

96 58046

- A. Treaties may be terminated
- B. Treaties cannot be terminated
- C. Treaties may be terminated by (i) operation of law and (ii) by act of state parties
- D. Importing of performance of a treaty is also a ground for the termination of treaty and the provisions is contained Art 51 of the Vienna Convention of Law of Treaties , 1969
- E. Importing of performance of a treaty is also a ground for the termination of treaty and the provisions is contained Art 57 of the Vienna Convention of Law of Treaties , 1969.

Choose the correct answer from the options given below:

- 1. A, B, C and E only
- 2. B, C and D only
- 3. B, C and E only
- 4. B and C only

- A. संधियों का पर्यवसान हो सकता है।
- B. संधियों का पर्यवसान नहीं हो सकता है।
- C. संधियों का पर्यवसान हो सकता है। (I) विधि की क्रियाशीलता और (II) राज्य के पक्षकारों के कृत्य द्वारा
- D. संधि का कार्यनिष्पादन असंभव होना भी संधि के पर्यवसान का आकार हो सकता है और इस उपबंध का उल्लेख वियना कन्वेंशन ऑन लॉ ऑफ ट्रीटीज, 1969 के अनुच्छेद 51 में है।
- E. संधि के कार्य निष्पादन की असंभव होना भी संधि का पर्यवसानका उत्तम आधार है और इस उपबंध का उल्लेख वियना कन्वेंशन ऑन लॉ ऑफ ट्रीटीज, 1969 के अनुच्छेद 57 में है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

- 1. केवल A, B, C, E
- 2. केवल B, C, D
- 3. केवल A, C, E
- 4. केवल B और C

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

97 58047 Which of the following is true with regards to *Iddat* period ?

- A. *Iddat* of widowhood is 4 months and 10 days
 B. the period of *Iddat* begins from the date when she comes to know of divorce and not from the date when divorce is pronounced
 C. If the marriage is irregular and is consummated, the wife is under obligation to observe *Iddat*
 D. If the wife observes *Iddat* husband is bound to maintain the wife during the period on *Iddat*
 E. In case the wife is pregnant, period of *Iddat* extends till the delivery of the child.

Choose the most appropriate answer from the options given below:

1. A, B, D and E only
 2. A, C, D and E only
 3. B, C, D and E only
 4. B and D only

इद्दत-अवधि के बारे में निम्नांकित में से कौन सा कथन सही है:

- A. विधवा-अवस्था के दौरान इद्दत की अवधि 4 माह 10 दिन है।
 B. इद्दत की अवधि उस तारीख से आरंभ होती है जब महिला को विवाह-विच्छेद का पता चलता है न कि विवाह विच्छेद की घोषणा किए जाने की तिथि से।
 C. यदि विवाह अनियमित है और विवाहोत्तर संभोग होता है तो उस दशा में पत्नी इद्दत करने के लिए बाध्य होती है।
 D. यदि पत्नी इद्दत करती है तो पति इद्दत की समयावधि के दौरान पत्नी का भरणपोषण करने के लिए बाध्य है।
 E. यदि पत्नी गर्भवती हो जाए तो इद्दत की अवधि संतान के जन्म समय तक बढ़ाई जा सकती है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B, D, E
 2. केवल A, C, D, E
 3. केवल B, C, D, E
 4. केवल B और D

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

98 58048

- A. Uniting for peace Resolution was passed in 1950
- B. Uniting for peace Resolution was passed by the General Assembly
- C. Uniting for peace Resolution was passed by the Security Council
- D. Maintenance of international peace and security is the primary responsibility of the Security Council
- E. Maintenance of international peace and security is the primary responsibility of the General Assembly

Choose the correct answer from the options given below:

- 1. A, B and D only
- 2. A, B, C and D only
- 3. A, B, D and E only
- 4. A, B and E only

- A. 'शांति के लिए एकत्व संकल्प 1950' में पारित हुआ।
- B. शांति के लिए एकत्व संकल्प महासभा द्वारा पारित हुआ था।
- C. शांति के लिए एकत्व संकल्प सुरक्षा परिषद द्वारा पारित हुआ था।
- D. अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा अधुण बनाए रखना सुरक्षा परिषद का प्राथमिक उत्तरदायित्व है।
- E. अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा अधुण बनाए रखना महासभा का प्राथमिक उत्तरदायित्व है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

- 1. केवल A, B और D
- 2. केवल A, B, C, D
- 3. केवल A, B, D, E
- 4. केवल A, B, E

A1

:

1

A2

:

2

A3

:

3

A4

:

4



Objective Question

99 58049

Under article 51 of the Constitution of India the state is directed to endeavor to:

- A. Promote international peace and security
- B. Maintain just and honorable relations between nations
- C. Foster respect for international law and treaty obligations
- D. Protect and improve the environment and to safeguard forests
- E. Encourage settlement of international disputes through arbitration

Choose the correct answer from the options given below:

- 1. A, B, C and D only
- 2. A, B, C and E only
- 3. B, C, D and E only
- 4. A, C, B and D only

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51 के अधीन राज्य को निम्नलिखित का प्रयास करने का निदेश दिया गया है:

- अंतर्राष्ट्रीय शांति व सुरक्षा की अभिवृद्धि करने
- राष्ट्रों के मध्य न्यायोचित और सम्मानजनक संबंध बनाए रखना
- अंतर्राष्ट्रीय विधि और संधि के बाध्यताओं (दायित्वों) के लिए सम्मान को प्रोत्साहित करना
- पर्यावरण का संरक्षण और सुधार करना तथा वनों का संरक्षण
- माध्यस्थम के द्वारा से अंतर्राष्ट्रीय विवादों के निस्तारण को बढ़ावा देना

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

- केवल A, B, C, D
- केवल A, B, C, E
- केवल B, C, D, E
- केवल A, C, B, D

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4

Objective Question

100 58050

Which of the following can be registered as Trade Mark under the Trade Marks Act, 1999.?

- RASOI for hydrogenated oil
- JHOOMRITALAIA for pens
- BANK for banking service
- Square shape for tyres
- Obscene matters (things)

Choose the correct answer from the options given below:

- B only
- A, B and D only
- B and D only
- C and E only

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999 के अधीन निम्नांकित में से किसे/किन्हें ट्रेडमार्क के रूप में पंजीकृत किया जा सकता है?

- हाइड्रोजन युक्त तेल के लिए रसोई
- कलम के लिए झूमरी तलैया
- बैंककारी सेवा के लिए बैंक
- टायर के लिए वर्गाकार
- अश्लील मामलों (चीजों)

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

- केवल B
- केवल A, B, D
- केवल B, D
- केवल C, E

A1 1

:



1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

101 58051

The Corporate Social Responsibility (CSR) Committee of a Company carries out the following functions:

- A. To appoint an individual or a firm as an auditor
- B. To recommend a CSR Policy
- C. To recommend the amount of expenditure for the indicated activities
- D. To inspect the books of accounts during business hours
- E. To monitor the CSR policy of the company from time to time.

Choose the correct answer from the options given below:

- 1. A, B and C only
- 2. B and D only
- 3. B, C and E only
- 4. B, C, D and E only

किसी कंपनी की कारपोरेट सामाजिक दायित्व (सी.एस.आर.) समिति के निम्नांकित कृत्य हैं:

- A. किसी व्यक्ति या प्रतिष्ठान की लेखापरीक्षक के रूप में नियुक्ति
- B. सी.एस.आर. नीति की सिफारिश करना
- C. निर्दिष्ट कार्यकलाप के लिए व्यय की रकम की सिफारिश करना
- D. कार्य के घंटों के दौरान खाताबही का निरीक्षण करना
- E. समय-समय पर कंपनी की सी.एस.आर. नीति का प्रबोधन

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

- 1. केवल A, B और C
- 2. केवल B और D
- 3. केवल B, C और E
- 4. केवल B, C, D और E

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

102 58052

In order to convert a proposal into a promise , the acceptance must be:

- A. Absolute
- B. Unqualified
- C. Conditional
- D. Random
- E. Expressed in some usual and reasonable manner

Choose the correct answer from the options given below:

- 1. A and B only
- 2. A and C only
- 3. A, B and E only
- 4. B, C and D only

किसी प्रस्ताव को बचन में सम्परिवर्तित करने के लिए स्वीकार्य होना चाहिए:

- A. आत्यंतिक
- B. अविशेषित
- C. सशर्त
- D. यादृच्छिक
- E. कुछ प्रायिक और समुचित तरीके में अभिव्यक्त

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

- 1. केवल A और B
- 2. केवल A और C
- 3. केवल A, B और E
- 4. केवल B, C और D

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4



Objective Question

103 58053

Given below are two statements: one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R.

Assertion A: The Criminal Law Amendment Act, 2013 was a result of the public outrage

Reason R: Society forces the law to accept the change

In the light of the above statements, choose the correct answer from the options given below.

- 1. Both A and R are true and R is the correct explanation of A
- 2. Both A and R are true but R is NOT the correct explanation of A
- 3. A is true but R is false
- 4. A is false but R is true

नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में; अभिकथन A: आपराधिक विधि संशोधन अधिनियम, 2013 जनाक्रोश का परिणाम था। कारण R: समाज परिवर्तन को स्वीकार करने के लिए विधि प्रवृत्त करती है। उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
2. A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
3. A सत्य है, लेकिन R असत्य है
4. A असत्य है, लेकिन R सत्य है

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4

Objective Question

104 58054

Given below are two statements: one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R.

Select the correct answer using the codes given below

Assertion A: Rights to pollution free air and clean water are attributes of the right of a dignified life.

Reason R: These rights are the basic elements that sustain the life.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below.

1. Both A and R are correct and R is the correct explanation of A
2. Both A and R are correct and R is NOT the correct explanation of A
3. A is correct but R is not correct
4. A is not correct but R is correct

नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में;

नीचे दिए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर चुनिए

अभिकथन A: प्रदूषण मुक्त वायु और स्वच्छ जल का अधिकार गरिमामय जीवन के अधिकार के अपरूप हैं।

कारण R: यह अधिकार मूलभूत तत्त्व हैं जिनसे जीवन की संधारणीयता होती है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
2. A और R दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
3. A सत्य है, लेकिन R सही नहीं है
4. A सही नहीं है, लेकिन R सही है

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:
3
A4 4
:
4

Objective Question

105 58055

- A. For State Legislature, Constitutional provisions for special address of the Governor, is in article 176
B. For State Legislature the Constitutional provisions for Oath or affirmation by members is in 109.
C. For State Legislature the special procedure in respect of Money Bill is covered by article 198.
D. For State Legislature provisions as to introduction and passing of bills is given in article 196.
E. For State Legislature provision for disqualifications for membership are given in article 190.

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, B and C only
2. B, C and D only
3. A, D and E only
4. A, C and D only

- A. राज्य विधान मंडल के लिए राज्यपाल के विशेष अभिभाषण का संवैधानिक उपबंध अनुच्छेद 176 में है।
B. राज्य विधानमंडल के लिए सदस्यों द्वारा शपथ या प्रतिज्ञान का संवैधानिक उपबंध अनुच्छेद 189 में है।
C. राज्य विधानमंडल के लिए धन विधेयक के संबंध में विशेष प्रक्रिया का उल्लेख अनुच्छेद 198 में है।
D. राज्य विधानमंडल के लिए विधेयकों का पुनर्स्थापन और इन्हें पारित किए जाने संबंधी उल्लेख अनुच्छेद 196 में है।
E. राज्य विधानमंडल के लिए सदस्यता की निरर्हरता संबंधी उपबंध का उल्लेख अनुच्छेद 190 में है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B और C
2. केवल B, C और D
3. केवल A, D और E
4. केवल A, C और D

A1 1
:

1

A2 2
:

2

A3 3
:

3

A4 4
:

4

Objective Question

106 58056

The following fall under chapter IV (General Exceptions) of the Indian Penal Code, 1860

- A. Act done by a person bound, or by mistake of fact believing himself to be bound , by law
B. Act of judge when acting judicially
C. Omission to assist public servant when bound by law to give assistance
D. International resistance or obstruction by a person to his lawful apprehension
E. Accident in doing a lawful act

Choose the correct answer from the options given below:

1. A and E only
2. A and B only
3. B only
4. A, B and E only

निम्नांकित भारतीय दण्ड संहिता 1860 के अध्याय IV (सामान्य अपवाद) के अंतर्गत आते हैं

- A. किसी आबद्ध व्यक्ति द्वारा अथवा किसी तथ्य की भूल से स्वयं को विधि द्वारा कृत कार्य हेतु आबद्ध मानना
- B. न्यायिक कार्य करने के क्रम में न्यायाधीश का कृत्य
- C. सहायता देने के लिए विधि द्वारा आबद्ध होने की दशा में लोक सेवक की सहायता करने का लोप
- D. किसी व्यक्ति द्वारा अपने विधिक आशंका से उत्पन्न अंतर्राष्ट्रीय प्रतिरोध या बाधा
- E. कोई विधिपूर्ण कार्य करने में दुर्घटना

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, E
2. केवल A, B
3. केवल B
4. केवल A, B

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4

Objective Question

107 58057

- A. Recognition de jure is final and once given cannot be withdrawn
- B. Recognition de jure is not final
- C. de facto recognition may be withdrawn
- D. Withdrawal of recognition by a state because that state has ceased to be the State
- E. Retroactive recognition of a new government does not invalidate the acts of the previous de jure government

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, C and E only
2. B, C, D and E only
3. A, B, D and E only
4. A, C, D and E only

- A. विधितः मान्यता अंतिम होती है और एक बार दिए जाने के बाद इसका समापहरण नहीं हो सकता है।
- B. विधितः मान्यता अंतिम नहीं होती है।
- C. मान्यता समपहत हो सकती है।
- D. मान्यता समापहरण का तात्पर्य है कि राज्य अब राज्य नहीं है।
- E. नयी सरकार की पूर्वकालिक मान्यता से पूर्ववर्ती विधितः सरकार के कृत्यों की विधिमान्यता समाप्त नहीं होती है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, C, E
2. केवल B, C, D, E
3. केवल A, B, D, E
4. केवल A, C, D, E

A1 1

:

1

A2 2

:

2

2
A3
:
3
A4
:
4

Objective Question

108 58058

- A. Art. 2(4) of the UN Charter contains the proposition of the unilateral use of force or threat theory by states in their international relations.
B. There are no exception to the above
C. UN Charter makes an exception to Art. 2(4) in individual and collective self defense as in Art. 51.
D. States may use or encourage the use of economic and political measures to coerce another state.
E. States have a duty to refrain from propaganda for wars of aggression

Choose the most appropriate answer from the options given below:

1. A, B, D and E only
2. A, C, D and E only
3. A, C and E only
4. B, C, D and E only

- A. संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 2 (4) में देशों द्वारा अपने अन्तरराष्ट्रीय संबंध में बल या धमकी के एक पक्षीय प्रयोग का प्रतिषेध अंतर्विष्ट है।
B. उपर्युक्त से कोई छूट नहीं है।
C. संयुक्त राष्ट्र चार्टर में अनुच्छेद 51 में यथा अंतर्विष्ट व्यक्तिगत और सामूहिक आत्मरक्षा में अनुच्छेद 2 (4) से छूट दी गई है।
D. राज्य (देश) अन्य देश के प्रपीड़न के लिए आर्थिक एवं राजनीतिक परिमाणों का प्रयोग कर सकता है या उसे बढ़ावा दे सकता है।
E. देशों का कर्तव्य है कि वे युद्ध या आक्रमण के प्रचार से परहेज करें

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B, D, E
2. केवल A, C, D, E
3. केवल A, C, E
4. केवल B, C, D, E

A1
:
1
A2
:
2
A3
:
3
A4
:
4

Objective Question

109 58059

- A. The preamble of the UN Charter says : "We the peoples, of the United Nations"
 B. The preamble of the UN Charter says : "We the people of the United Nations"
 C. Maintenance of international peace and security is the primary responsibility of the Security Council
 D. Maintenance of International Peace and Security is the primary responsibility of the General Assembly
 E. Maintenance of International Peace and Security is the primary responsibility of the International Court of justice.

Choose the most appropriate answer from the options given below:

1. B and C only
2. A and C only
3. A and D only
4. B and E only

- A. संयुक्त राष्ट्र चार्टर की उद्देशिका में उल्लेख है "हम संयुक्त राष्ट्र की जनता"
 B. संयुक्त राष्ट्र चार्टर की उद्देशिका में उल्लेख है। "हम संयुक्त राष्ट्र के लोग"
 C. अन्तरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखना सुरक्षा परिषद का प्राथमिक दायित्व है।
 D. अन्तरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखना महासभा का प्राथमिक दायित्व है।
 E. अन्तरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखना आन्तरराष्ट्रीय न्यायालय का प्राथमिक दायित्व है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल B और C
2. केवल A और C
3. केवल A और D
4. केवल A और E

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4



Objective Question

110 58060

- A. The International Bank for Reconstruction and Development (IBRD) is also called the World Bank.
 B. The International Bank for Reconstruction and Development (IBRD) is also called the International Monetary Fund
 C. The Dunkel Draft Act embodies the results of the Tokyo Round
 D. The WTO provides for a Secretariat headed by a Director General
 E. The WTO provides for a Secretariat headed by Secretary General

Choose the most appropriate answer from the options given below:

1. A, C and E only
2. A and E only
3. A, C and D only
4. A and D only

- A. अंतरराष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक (आई.बी.आर.डी.) को विश्व बैंक भी कहा जाता है।
 B. अंतरराष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक (आई.बी.आर.डी.) को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष भी कहा जाता है।
 C. डंकल प्रारूप अधिनियम में टोक्यो - वार्ता के परिणाम सन्निहित हैं।
 D. विश्व व्यापार संगठन में महानिदेशक के अधीन एक सचिवालय का उपबंध है।
 E. विश्वव्यापार संगठन में एक सचिवालय का उपबंध है जिस के प्रधान महासचिव होते हैं।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, C, E
2. केवल A और E
3. केवल A, C और D
4. केवल A और D

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

111 58061

With regards to cruelty under the Hindu Marriage Act, 1955 the following holds true

- A. It is very difficult to define cruelty which can fit in all circumstances.
 B. Cruelty can be physical and mental
 C. Intention plays an important role in cases on cruelty
 D. Cruelty should be aimed at the petitioner
 E. The act complained of must be that of the respondent

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, C and E only
2. A and B only
3. A, B and D only
4. B, C and D only

हिन्दू विवाह अधिनियम 1955 के अधीन क्रूरता के संबंध में निम्नांकित में से कौन से कथन सही हैं।

- A. सभी परिस्थितियों के लिए उपयुक्त क्रूरता की परिभाषा देना अत्यंत कठिन है।
 B. क्रूरता शारीरिक और मानसिक दोनों हो सकती है।
 C. क्रूरता के मामलों में आशय की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।
 D. क्रूरता का लक्ष्य याचिकाकर्ता पर होना चाहिए।
 E. शिकायत किया गया कार्य प्रतिदायी द्वारा किया गया होना चाहिए।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, C, E
2. केवल A, B
3. केवल A, B, D
4. केवल B, C, D

A1
:

1

A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

112 58062 Under the Hindu Succession Act, 1956, heirs of a Hindu Male fall under following heads

- A. Class I heirs
- B. Class II heirs
- C. Sharers
- D. Agnates
- E. Cognates

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, C, D and E only
2. A and E only
3. A, B D and E only
4. A, D and E only

हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 के अधीन हिन्दू पुरुष का उत्तराधिकारी किस श्रेणी में आता है।

- A. श्रेणी-I के उत्तराधिकारी
- B. श्रेणी-II के उत्तराधिकारी
- C. साझेदार
- D. पितृवंशीय
- E. सजातीय

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, C, D, E
2. केवल A, E
3. केवल A, B, D, E
4. केवल A, D, E

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

113 58063

Following essentials are to be fulfilled for death to be called "Dowry death" under section 304 B of the Indian Penal Code.

- A. Death of a women within 10 years of her marriage
- B. fact of cruelty or harassment by her husband for or in connection with any demand for dowry
- C. Fact of cruelty or harassment by any relative of her husband for or in connection with any demand for dowry
- D. death of a women within 7 years of her marriage
- E. "Dowry shall have the same meaning as in section 2 of the Dowry Prohibition Act,1961.

Choose the correct answer from the options given below:

- 1. B and D only
- 2. B, C, D and E only
- 3. A, B and E only
- 4. B, D and E only

भारतीय दंड संहिता की धारा 304 B के अधीन "दहेज के कारण मृत्यु" कहलाने के लिए मृत्यु के लिए निम्नांकित अनिवार्य तत्त्वों की पूर्ति होनी चाहिए -

- A. विवाह के 10 वर्ष के भीतर महिला का निधन
- B. महिला के पति द्वारा क्रूरता या उत्पीड़न का तथ्य अथवा दहेज की किसी माँग से संबंधित हो।
- C. उसके पति के किसी संबंधी द्वारा की गई क्रूरता या उत्पीड़न जो दहेज की किसी मांग से संबंधित हो।
- D. उसके विवाह के 7 वर्ष के भीतर महिला की मृत्यु।
- E. दहेज का अभिप्राय वही होगा जैसा कि दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961 की धारा 2 में उल्लेखित है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

- 1. केवल B, D
- 2. केवल B, C, D, E
- 3. केवल A, B, E
- 4. केवल B, D, E

A1

:

1

A2

:

2

A3

:

3

A4

:

4



Objective Question

114 58064

Constitutional remedies include:

- A. Extraordinary remedies under Article 32 ad 226
- B. Appeals to Supreme Court under Article 132 to 135
- C. Appeals to High Court under Article 139 to 139 A
- D. Transfer of cases to Supreme Court under Article 139 B
- E. Advisory Jurisdiction under Article 143

Choose the correct answer from the options given below:

- 1. A, C and D only
- 2. A, B and E only
- 3. B, C and D only
- 4. C, D and E only

संवैधानिक उपचारों में सम्मिलित है:

1. अनुच्छेद 32 और 226 के अधीन असाधारण उपचार
2. अनुच्छेद 132 और 135 के अधीन उच्चतम न्यायालय में की गई अपील
3. अनुच्छेद 139 और 139 A के अधीन उच्च न्यायालय में की गई अपील
4. अनुच्छेद 139B में उच्चतम न्यायालय में वारदों का स्थानांतरण
5. अनुच्छेद 143 के अधीन सलाहकारी अधिकारिता

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, C, D
2. केवल A, B, E
3. केवल B, C, D
4. केवल C, D, E

A1
:

1

A2
:

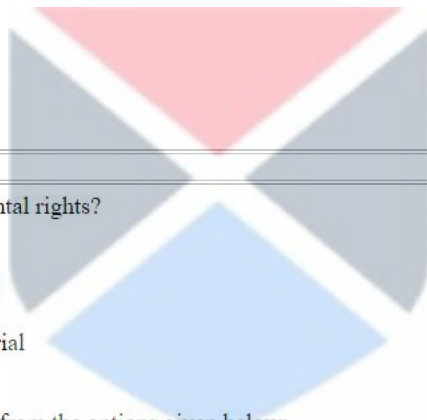
2

A3
:

3

A4
:

4



Objective Question

115 58065 Which of the following are fundamental rights?

- A. Right not to remain employed
- B. Right not to remain uneducated
- C. Right not to remain unmarried
- D. Right not to be killed without trial
- E. Right not to change religion

Choose the most appropriate answer from the options given below:

1. B, D and E only
2. A, C and D only
3. A, D and E only
4. B, C and E only

निम्नांकित में से कौन से अधिकार मौलिक अधिकार है:

- A. बेरोजगार नहीं रहने का अधिकार
- B. अशिक्षित नहीं रहने का अधिकार
- C. अविवाहित नहीं रहने का अधिकार
- D. बिना विचारण के नहीं मार दिये/जाने का अधिकार
- E. धर्म परिवर्तन नहीं करने का अधिकार

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल B, D, E
2. केवल A, C, D
3. केवल A, D, E
4. केवल B, C, E

A1
:

1

1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

116 58066 Match List I with List II

LIST I		LIST II	
A.	Soundness of mind	I.	Sec 14
B.	Fraud	II.	Sec 12
C.	Free consent	III.	Sec 11
D.	Competency to contract	IV.	Sec 17

Choose the correct answer from the options given below:

1. A-I, B-II, C-III, D-IV
2. A-II, B-IV, C-I, D-III
3. A-II, B-III, C-I, D-IV
4. A-II, B-IV, C-III, D-I

सूची I के साथ सूची II से मिलान कीजिए

LIST I		LIST II	
A.	मस्तिष्क की सक्षमता	I.	धारा-14
B.	कपट	II.	धारा-12
C.	स्वतंत्र सहमति	III.	धारा-11
D.	संविदा की अभिक्षमता (सक्षमता)	IV.	धारा-17

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. A-I, B-II, C-III, D-IV
2. A-II, B-IV, C-I, D-III
3. A-II, B-III, C-I, D-IV
4. A-II, B-IV, C-III, D-I

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

117 58067

Match List I with List II

LIST I		LIST II	
A.	Equal justice and free legal aid	I.	Article 39A
B.	Promotion of Cooperative societies	II.	Article 43
C.	Living wages etc for workers	III.	Article 43B
D.	Uniform Civil Code for citizens	IV.	Article 44

Choose the correct answer from the options given below:

1. A-II, B-III, C-I, D-IV
2. A-III, B-I, C-II, D-IV
3. A-I, B-III, C-II, D-IV
4. A-I, B-II, C-III, D-IV

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I		सूची II	
A.	समान न्याय और निःशुल्क विधिक सहायता	I.	अनुच्छेद 39 A
B.	सहकारी समितियों का संवर्द्धन	II.	अनुच्छेद 43
C.	कर्मकारों के लिए जीवन निर्वाह मजदूरी इत्यादि	III.	अनुच्छेद 43 B
D.	नागरिकों के लिए समान सिविल संहिता	IV.	अनुच्छेद 44

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-II, B-III, C-I, D-IV
2. A-III, B-I, C-II, D-IV
3. A-I, B-III, C-II, D-IV
4. A-I, B-II, C-III, D-IV

A1

:

1

A2

:

2

A3

:

3

A4

:

4



Objective Question

118 58068

Match List I with List II

LIST I		LIST II	
A.	<i>Eastern Book Co v D.B Modak (2006, SC)</i>	I.	Idea Expression Dichotomy
B.	<i>Bayer Corpn v Union of India</i>	II.	Minimum of creativity Test
C.	<i>R.G Anand v Deluxe Films (1978 SC)</i>	III.	Prior user Test
D.	<i>N.R Dongre v Whirlpool Corpn. (1996 SC)</i>	IV.	Compulsory license of patents

Choose the correct answer from the options given below:

1. A-I, B-II, C-III, D-IV
2. A-II, B-IV, C-I, D-III
3. A-IV, B-I, C-II, D-III
4. A-III, B-I, C-II, D-IV

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I		सूची II	
A.	इस्टर्न बुक कंपनी बनाम डी.बी. मोदक (2006, उच्चतम न्यायालय)	I.	आइडिया एक्सप्रेसन डाइकोटोमी
B.	बायर कॉर्पोरेशन बनाम भारत संघ (उच्चतम न्यायालय)	II.	न्यूनतम सृजनात्मकता परीक्षण
C.	आर.जी. आनंद बनाम डीलक्स फिल्म्स (1978, उच्चतम न्यायालय)	III.	प्राथमिक प्रयोक्ता परीक्षण
D.	एन.आर. डोंगरे बनाम हर्लपुल कॉर्पोरेशन (1996, उच्चतम न्यायालय)	IV.	पेटेंट का अनिवार्य अनुज्ञापन

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-I, B-II, C-III, D-IV
2. A-II, B-IV, C-I, D-III
3. A-IV, B-I, C-II, D-III
4. A-III, B-I, C-II, D-IV

A1

:

1

A2

:

2

A3

:

3

A4

:

4

Objective Question

119 58069

Match List I with List II

LIST I	LIST II
A. Asymmetric crypto-system	I. Neighboring rights
B. Rome Convention	II. Industrial Property
C. Paris Convention, 1883	III. Trademarks
D. Madrid Protocol	IV. Digital signature

Choose the correct answer from the options given below:

1. A-IV, B-I, C-III, D-II
2. A-IV, B-II, C-I, D-III
3. A-IV, B-I, C-II, D-III
4. A-I, B-III, C-II, D-IV

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I	सूची II
A. असममितीय क्रिप्टो-प्रणाली	I. संबंधित (पड़ोसी) अधिकार
B. रोम अभिसमय	II. औद्योगिक संपदा
C. पेरिस अभिसमय, 1883	III. व्यापार चिह्न
D. मैड्रिड नवाचार (प्रोटोकॉल)	IV. डिजिटल हस्ताक्षर

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-IV, B-I, C-III, D-II
2. A-IV, B-II, C-I, D-III
3. A-IV, B-I, C-II, D-III
4. A-I, B-III, C-II, D-IV

A1

:

1

A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

120 58070 Match List I with List II

LIST I		LIST II	
A.	Rule of specialty	I.	Importance of the works of jurists
B.	Paquete Habana	II.	Extradition
C.	Barcelona Traction case	III.	Sources of International Law are not hierarchical but complimentary and inter related
D.	Nicaragua v USA	IV.	Equity and Justice

Choose the correct answer from the options given below:

1. A-II, B-I, C-IV, D-III
2. A-III, B-II, C-I, D-IV
3. A-II, B-III, C-IV, D-I
4. A-II, B-IV, C-III, D-I

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I		सूची II	
A.	रूल ऑफ स्पेशलिटी	I.	न्यायविदों की कृतियों का महत्त्व
B.	पैकेट हबाना	II.	प्रत्यर्पण
C.	बासिलोना ट्रैक्शन केस	III.	अन्तरराष्ट्रीय विधि के स्रोत पदानुक्रम में न होकर पूरक और परस्पर संबद्ध होते हैं।
D.	निकरगुआ बनाम सं. रा. अमेरिका	IV.	साम्य और न्याय

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-II, B-I, C-IV, D-III
2. A-III, B-II, C-I, D-IV
3. A-II, B-III, C-IV, D-I
4. A-II, B-IV, C-III, D-I

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

121 58071

Match List I with List II

LIST I		LIST II	
A.	Kyoto Treaty on Climate Change	I.	1995
B.	International Convention on the Protection of the Rights of all Migrant Workers and members of Their Families	II.	1997
C.	SAARC Accord on Extradition	III.	1990
D.	WTO came into force in the year	IV.	1987

Choose the correct answer from the options given below:

1. A-II, B-III, C-IV, D-I
2. A-IV, B-III, C-II, D-I
3. A-III, B-IV, C-II, D-I
4. A-II, B-I, C-IV, D-III

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I		सूची II	
A.	जलवायु परिवर्तन संबंधी क्योटा संधि	I.	1995
B.	सभी प्रवासी कर्मकार और उनके परिवार के सदस्यों के अधिकारों के संरक्षण संबंधी अंतरराष्ट्रीय अभिसमय	II.	1997
C.	प्रत्यर्पण संबंधी दक्षेस समझौता	III.	1990
D.	विश्व व्यापार संगठन जिस वर्ष प्रवर्तन में आया	IV.	1987

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-II, B-III, C-IV, D-I
2. A-IV, B-III, C-II, D-I
3. A-III, B-IV, C-II, D-I
4. A-II, B-I, C-IV, D-III

A1

:

1

A2

:

2

A3

:

3

A4

:

4



Objective Question

122 58072

Match List I with List II

Provison		Section	
A.	Restitution of conjugal rights	I.	Section 10, the Hindu Marriage Act, 1955
B.	Judicial separation	II.	Section 12, The Hindu Marriage Act, 1955
C.	No petition for divorce within one year of marriage	III.	Section 9, the Hindu Marriage Act, 1955
D.	Voidable marriage	IV.	Section 14, the Hindu Marriage Act, 1955

Choose the correct answer from the options given below:

1. A-IV, B-III, C-I, D-II
2. A-III, B-I, C-IV, D-II
3. A-II, B-I, C-III, D-IV
4. A-III, B-II, C-IV, D-I

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I (उपबंध)		सूची II (धारा)	
A.	दाम्पत्य अधिकारों का प्रत्यास्थापन	I.	हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 10
B.	न्यायिक पृथक्करण	II.	हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 12
C.	विवाह के एक वर्ष के भीतर विवाह विच्छेद के लिए	III.	हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 9
D.	शून्यकरणीय विवाह	IV.	हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 14

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-IV, B-III, C-I, D-II
2. A-III, B-I, C-IV, D-II
3. A-II, B-I, C-III, D-IV
4. A-III, B-II, C-IV, D-I

A1

:

1

A2

:

2

A3

:

3

A4

:

4

Objective Question

123 58073

Match List I with List II

LIST I		LIST II	
A.	<i>State of Rajasthan v. G Chanda</i>	I.	Pith and substance
B.	<i>K.T Moopil Nair v. State of Kerala</i>	II.	Colourable Legislation
C.	<i>O.N Mahindroo v. Bar Council of Maharashtra & Goa</i>	III.	Repugnancy
D.	<i>M karunanidhi v. Union of India</i>	IV.	Harmonious construction

Choose the correct answer from the options given below:

1. A-I, B-II, C-III, D-IV
2. A-II, B-I, C-IV, D-III
3. A-IV, B-III, C-I, D-II
4. A-I, B-II, C-IV, D-III

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I		सूची II	
A.	राजस्थान राज्य बनाम जी. चावला	I.	सार एवं तत्व का सिद्ध
B.	के.टी. मूपिल नायर बनाम केरल राज्य	II.	छद्म (आभासी) विधायन
C.	ओ.एन. महिन्द्र बनाम बॉर कौंसिल ऑफ महाराष्ट्र एंड गोवा	III.	विरोध की मात्रा तक
D.	एम. करुणानिधि बनाम भारत संघ	IV.	सामंजसपूर्ण अर्थान्वयन

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-I, B-II, C-III, D-IV
2. A-II, B-I, C-IV, D-III
3. A-IV, B-III, C-I, D-II
4. A-I, B-II, C-IV, D-III

A1

:

1

A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

124 58074 Match List I with List II

LIST I		LIST II	
A.	Rule of strict liability	I.	Slander
B.	Publication of a defamatory statement	II.	Rylands v Fletcher
C.	Defamatory representation made in some permanent form	III.	Act of God
D.	<i>Vis Major</i>	IV.	Libel

Choose the correct answer from the options given below:

1. A-IV, B-I, C-II, D-III
2. A-I, B-II, C-III, D-IV
3. A-II, B-I, C-IV, D-III
4. A-II, B-IV, C-I, D-III

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I		सूची II	
A.	कठोरदायित्व	I.	अपमान वचन (अपवचन)
B.	मानहानिकारक कथन का प्रकाशन	II.	राइलैण्ड्स बनाम फ्लेचर
C.	कुछ स्थायी रूप में दिया गया मानहानिकारक कथन का प्रतिनिधित्व	III.	देव कृत्य
D.	विस मेजर	IV.	अपमान लेख (अपलेख)

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-IV, B-I, C-II, D-III
2. A-I, B-II, C-III, D-IV
3. A-II, B-I, C-IV, D-III
4. A-II, B-IV, C-I, D-III

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

125 58075

Match List I with List II

LIST I		LIST II	
A.	Natural guardians of a Hindu minor	I.	Section 8, Hindu Minority and Guardianship Act, 1956
B.	Powers of Natural Guardian	II.	Section 9, Hindu Minority and Guardianship Act, 1956
C.	Testamentary guardians and their powers	III.	Section 6, Hindu Minority and Guardianship Act, 1956
D.	Welfare of minor to be paramount consideration	IV.	Section 13, Hindu Minority and Guardianship Act, 1956

Choose the correct answer from the options given below:

1. A-I, B-III, C-II, D-IV
2. A-III, B-I, C-II, D-IV
3. A-II, B-I, C-III, D-IV
4. A-IV, B-II, C-I, D-III

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I		सूची II	
A.	एक हिन्दू अवयस्क व्यक्ति स्वाभाविक संरक्षक	I.	हिन्दू अप्राप्तवयता और संरक्षकता अधिनियम, 1956 की धारा - 8
B.	स्वाभाविक संरक्षक की शक्तियाँ	II.	हिन्दू अप्राप्तवयता और संरक्षकता अधिनियम, 1956 की धारा - 9
C.	प्रामाणिक संरक्षक और उनकी शक्तियाँ	III.	हिन्दू अप्राप्तवयता और संरक्षकता अधिनियम, 1956 की धारा - 6
D.	अव्यस्क व्यक्ति का कल्याण सर्वोपरि है	IV.	हिन्दू अप्राप्तवयता और संरक्षकता अधिनियम, 1956 की धारा - 13

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-I, B-III, C-II, D-IV
2. A-III, B-I, C-II, D-IV
3. A-II, B-I, C-III, D-IV
4. A-IV, B-II, C-I, D-III

A1

:

1

A2

:

2

A3

:

3

A4

:

4



Objective Question

126 58076

Which is the correct chronological order (old to new) of the following judgements on appointment and transfer of judges?

- A. *S.P. Gupta v. Union of India*
- B. *Sakal Chand Seth v. Union of India*
- C. *Special Reference No 1 of 1998*
- D. *Supreme court Advocates on Record Association v. Union of India*

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, C, B, D
2. B, A, D, C
3. D, B, C, A
4. A, B, C, D

न्यायाधीशों की नियुक्ति एवं स्थानान्तरण से संबंधित निम्नलिखित निर्णयों का सही कालानुक्रमिक (पुराना से नया) कौन सा है ?

- A. एस.पी.गुप्ता बनाम भारत संघ
- B. साँकल चंदसेठ बनाम भारत संघ
- C. इन रि स्पेशल रेफरेंस नं. 1, 1998
- D. सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स ऑनरिकार्ड एसोसिएशन बनाम भारत संघ

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

- 1. A, C, B, D
- 2. B, A, D, C
- 3. D, B, C, A
- 4. A, B, C, D

A1

:

1

A2

:

2

A3

:

3

A4

:

4

Objective Question

127 58077

Indicate the chronological order of the following

- A. Treaty of westpholia
- B. Kellogg Brand port
- C. Brussels conference
- D. Convention of the statutes of Refugees
- E. Monterideo Convention

Choose the correct answer from the options given below:

- 1. A, B, C, E, D
- 2. A, E, B, C, D
- 3. A, C, E, B, D
- 4. A, C, B, E, D

निम्नलिखित का कालानुक्रम इंगित कीजिए:

- A. वेस्टफेलिया की संधि
- B. केलॉग ब्रिआर्ड पोर्ट
- C. ब्रुसेल्स सम्मेलन
- D. शरणार्थी दशा का अभिसमय
- E. मोंटेरीडियो अभिसमय

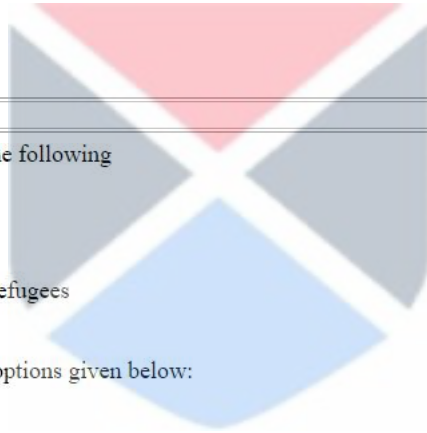
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

- 1. A, B, C, E, D
- 2. A, E, B, C, D
- 3. A, C, E, B, D
- 4. A, C, B, E, D

A1

:

1



A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

128 58078

Indicate the chronological order in which the following cases were decided:

- A. Fisheries jurisdiction (merit) case
- B. Island of palmas Arbitration case
- C. Numberg judgement
- D. Right of pange on Indian Testing case
- E. SS Lotus case

Choose the correct answer from the options given below:

- 1. B, E, C, D, A
- 2. B, C, D, E, A
- 3. E, B, C, D, A
- 4. E, C, D, B, A

निम्नलिखितवादों के विनिश्चय (निर्णय) के कालानुक्रम को इंगित कीजिए:

- A. फिसरीज जूरिस्टिक्शन (मेरिट) वाद
- B. आइजलैण्ड ऑफ पामास आर्बिट्रेशन वाद
- C. न्यूरेम्बर्ग निर्णय
- D. राइट ऑफ पैसेज ऑन इंडियन टेरिटरी वाद
- E. एस एस लोटस वाद

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

- 1. B, E, C, D, A
- 2. B, C, D, E, A
- 3. E, B, C, D, A
- 4. E, C, D, B, A

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

129 58079

Arrange the correct sequence in which an application for grant of Patent will be considered:

- A. Opposition under section 25(2) of the Patents Act, 1970
- B. Publication of application
- C. Filing of claims
- D. Request for examination
- E. Grant of patents

Choose the correct answer from the options given below:

1. B, D, C, A, E
2. B, A, C, D, E
3. C, B, D, E, A
4. C, A, B, D, E

पेटेंट की मंजूरी हेतु आवेदन, जिसमें उसका विचार होता है, को सही क्रम में व्यवस्थित कीजिए:

- A. पेटेंट अधिनियम, 1970 की धारा 25(2) के अंतर्गत विरोध
- B. आवेदन का प्रकाशन
- C. दावा फाइल करना
- D. परीक्षा हेतु निवेदन
- E. पेटेंट की मंजूरी (ग्रॉट)

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. B, D, C, A, E
2. B, A, C, D, E
3. C, B, D, E, A
4. C, A, B, D, E

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4



Objective Question

130 58080

Indicate the chronological order in which the following cases were decided

- A. ELCAMANN's case
- B. Anglo Norwegian fisheries case
- C. Anglo Iranian Oil Company case
- D. Chorow Factory case
- E. Western Sahara Case

Choose the correct answer from the options given below:

1. D, C, A, B, E
2. D, B, C, A, E
3. D, A, C, B, E
4. D, A, B, C, E

निम्नलिखित केसों के निर्णय जिसमें हुए उस कालानुक्रम को इंगित कीजिए:

- A. एल्कामान केस (वाद)
- B. एंग्लो नार्वेजियन फिशरीज केस (वाद)
- C. एंग्लो ईरानियन ऑयल कंपनी केस (वाद)
- D. कार्जोव फैक्ट्री केस (वाद)
- E. वेस्टर्न सहारा केस (वाद)

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

- 1. D, C, A, B, E
- 2. D, B, C, A, E
- 3. D, A, C, B, E
- 4. D, A, B, C, E

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4

Objective Question

131 58081

Arrange the expiry of the term of copyright in an ascending order in following cases:

- A. A writes a book on 1.10.2000 and dies on 2.10. 2001
- B. A book is written by an anonymous author and published on 1.10.2000. The identity of the author is disclosed on 2.11.2000, Author dies on 3.12.2000
- C. A government work is published on 3.12.2000
- D. Author dies on 3.12.2002 and his work published on 2.1.2003
- E. A cinematograph film was published on 5.1.1999

Choose the correct answer from the options given below:

- 1. 5, 4, 3, 2, 1
- 2. 5, 3, 2, 1, 4
- 3. 5, 1, 2, 4, 3
- 4. 5, 3, 1, 2, 4

निम्नलिखित केसों में कॉपीराइट के पद की समाप्ति को आरोही क्रम में व्यवस्थित कीजिए:

- A. A ने एक पुस्तक 1.10.2000 को लिखी और 2.10. 2001 को
- B. एक पुस्तक एक अनजान लेखक द्वारा लिखी गई और 1.10.2000 को प्रकाशित हुई। लेखक की पहचान 2.11.2000 को प्राप्त हुई। लेखक 3.12.2002 को मर गया।
- C. एक सरकारी कृति 3.12.2000 को प्रकाशित हुई।
- D. लेखक 3.12.2002 को मर जाता है और उसकी कृति 2.1.2003 को प्रकाशित हुई।
- E. एक चलचित्रदर्शी फिल्म 5.1.1999 को प्रकाशित हुई थी।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

- 1. E, D, C, B, A
- 2. E, C, B, A, D
- 3. E, A, B, D, C
- 4. E, C, A, B, D

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

132 58082

Matters covered under List I of the the Schedule VII of the Constitution:

- A. Foreign Loan
- B. Public health
- C. Atomic energy
- D. Public order
- E. Insurance

Choose the most appropriate answer from the options given below:

1. A, B and C only
2. A, C and E only
3. C, D and E only
4. B, C and D only

संविधान की VII अनुसूची के सूची I के अंतर्गत आने वाले मामले हैं:

- A. विदेशी ऋण
- B. सार्वजनिक स्वास्थ्य
- C. परमाणु ऊर्जा
- D. लोक व्यवस्था
- E. बीमा

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B, C
2. केवल A, C, E
3. केवल C, D, E
4. केवल B, C, D

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

133 58083

Under Article 15 of the Constitution of India, special provisions can be made about:

- A. Women and Children
- B. Scheduled Tribes
- C. Economically weaker sections
- D. Socially backward classes
- E. Linguistic minorities

Choose the most appropriate answer from the options given below:

- 1. A, C, B and E only
- 2. B, C, D and E only
- 3. A, B, C and D only
- 4. A, B, C and E only

भारत के संविधान के अनुच्छेद 15 के अंतर्गत निम्नलिखित के बारे में विशेष उपबंध किये जा सकते हैं :

- A. स्त्रियाँ और बालक
- B. अनुसूचित जनजाति
- C. आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग
- D. सामाजिक रूप से पिछड़ा वर्ग
- E. भाषाई अल्पसंख्यक

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

- 1. केवल A, C, B और E
- 2. केवल B, C, D और E
- 3. केवल A, B, C और D
- 4. केवल A, B, C और E

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4



Objective Question

134 58084

Indicate the chronological order of the following'

- A. Genocide Convention
- B. Warsaw Pact
- C. Montreal Convention of Hijacking
- D. UN Convention on The Rights of the Child
- E. Vienna Convention on Diplomatic Relations

Choose the correct answer from the options given below:

- 1. A, C, B, E, D
- 2. A, E, B, C, D
- 3. A, B, E, C, D
- 4. A, B, C, E, D

निम्नलिखित का कालानुक्रम इंगित कीजिए :

- A. नरसंहार अभिसमय
- B. वार्सा समझौता (पैक्ट)
- C. मांट्रियल हाइड्रोजन अभिसमय
- D. संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार अभिसमय
- E. राजनायिक संबंधों पर वियना अभिसमय

नीचे दिए गए विकल्पों से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A, C, B, E, D
2. A, E, B, C, D
3. A, B, E, C, D
4. A, B, C, E, D

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4

Objective Question

135 58085

Given below are two statements: one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R.

Assertion A: "Laws may be unjust though being opposed to the divine good; such laws are the laws of tyrants laws of this kind must not be observed"

Reason R: Extermination order is of no effect and its violation is no offence

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below.

1. Both A and R are correct and R is the correct explanation of A
2. Both A and R are correct and R is NOT the correct explanation of A
3. A is correct but R is not correct
4. A is not correct but R is correct

नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में:

अभिकथन A : विधि न्यायसंगत नहीं हो सकते है यद्यपि शाश्वत कल्याण के विरुद्ध होने के कारण ऐसी विधियाँ अत्याचारियों की विधियाँ हैं, इस प्रकार व विधियों का किसी भी प्रकार से पालन नहीं किया जाना चाहिए ।

कारण R : एकस्टर्नमेंट ऑर्डर का कोई प्रभाव नहीं होता है और इसका उल्लंघन कोई अपराध नहीं है ।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए ।

1. A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
2. A और R दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
3. A सही है लेकिन R सही नहीं है
4. A सही नहीं है लेकिन R सही है

A1 1

:

1

A2 2

:

2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

136 58086

Given below are two statements: one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R.

Assertion A: From a functional point of view ' an administrative tribunal is neither exclusively a judicial body nor exclusively an administrative body but is somewhere between the two'

Reason R: An administrative tribunal is not bound by strict rules of evidence and procedure

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below.

1. Both A and R are correct and R is the correct explanation of A
2. Both A and R are correct and R is NOT the correct explanation of A
3. A is correct but R is not correct
4. A is not correct but R is correct

नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में:

अभिकथन A : कृत्यात्मक दृष्टिकोण से एक प्रशासनिक अधिकरण न ही अनन्य रूप से न्यायिक निकाय है, न ही अनन्य रूप से प्रशासनिक निकाय है बल्कि इन दोनों का मध्यवर्ती है ।

कारण R : एक प्रशासनिक अधिकरण साक्ष्य और प्रक्रिया के कड़े (सख्त) नियमों द्वारा आबद्ध नहीं होता है ।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए ।

1. A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
2. A और R दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
3. A सही है लेकिन R सही नहीं है
4. A सही नहीं है लेकिन R सही है

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

137 58087

Given below are two statements: one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R.

Assertion A: Multilateral treaties which declare the established customary international law may bind even non parties

Reason R: Art 38 of the Vienna Convention makes an exception to Article 34 or 37 of the Vienna Convention

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below.

1. Both A and R are true and R is the correct explanation of A
2. Both A and R are true but R is NOT the correct explanation of A
3. A is true but R is false
4. A is false but R is true

नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में:

अभिकथन A : बहुपक्षीय संधि जो धोषणा करती है कि सुस्थापित प्रचलित रुढिगत और आतर्राष्ट्रीय विधि के अन्तर्गत गैर-पक्षकार भी आबद्ध किए जा सकते हैं ।

कारण R : वियना अभिसमय का अनुच्छेद 38 वियना अभिसमय के अनुच्छेद 34 अथवा 37 का अपवाद है ।
उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए ।

1. A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
2. A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
3. A सत्य है लेकिन R असत्य है
4. A असत्य है लेकिन R सत्य है

A1

:

1

A2

:

2

A3

:

3

A4

:

4



Objective Question

138 58088

Given below are two statements: one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R.

Assertion A: Mr X hands over a machine to Y, a common carrier, to deliver without any delay to the mill of Mr. X. Y unreasonably delays the delivery of the machine despite being informed that the mill is locked due to lack of machine. As a consequence Mr. X loses a government contract. He is entitled to receive compensation that includes the average amount of profit which he would have made during the time for which the delivery was delayed but not the loss sustained through the loss of the Government contract.

Reason R: Compensation for the loss or damage caused by breach of contract is not to be given for any remote and indirect loss or damage sustained due to such breach

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below.

1. Both A and R are true and R is the correct explanation of A
2. Both A and R are true but R is NOT the correct explanation of A
3. A is true but R is false
4. A is false but R is true

नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में: अभिकथन A : मिस्टर 'X' एक कॉमन कैरिअर 'Y' को बिना किसी देरी के मिस्टर 'X' की मिल को प्रदायमी के लिए एक मशीन देता है। 'Y' यह सूच पठने बावजूद उसे प्रदायगी करने में अनुचित रूप से देरी करता है कि इस मशीन की कमी से उपरोक्त भिज बंद है। परिणामस्वरूप, मिस्टर 'X' सरकारी संविदा गवां देता है। वह प्रतिकार पाने का हकदार है, जिसमें लोम की औसत राशि सम्मिलित है, जो वह उस समय के दौरान बना लेता होता, जिसमें प्रदायगी में देरी हुई थी, लेकिन सरकारी संविदा की दानि के जरिए हुए हानि को नहीं। कारण R : संविदा के भंग से हानि या क्षति का प्रतिकार इस प्रकार के भंग के कारण हुए किसी परोक्ष एवं अपरोक्ष हानि या क्षति के लिए नहीं दिया जाता।

उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए।

1. A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
2. A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
3. A सत्य है लेकिन R असत्य है
4. A असत्य है लेकिन R सत्य है

A1

:

1

A2

:

2

A3

:

3

A4

:

4

Objective Question

139 58089

Given below are two statements: one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R.

Assertion A: The Supreme Court in *Dev Dutta v Union of India* (2008) emphasised that now transparency and good governance have been added as a new dimension to natural justice which includes the duty to give reason

Reason R: Reason reassure that discretion has been exercised by the decision maker on relevant grounds and by disregarding extraneous considerations

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below.

1. Both A and R are correct and R is the correct explanation of A
2. Both A and R are correct and R is NOT the correct explanation of A
3. A is correct but R is not correct
4. A is not correct but R is correct

नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में:

अभिकथन A : देव दत्त बनाम भारत संघ (2008) के वाद मे सर्वोच्च न्यालयने इस पर बल दिया है कि नैसर्गिक न्याय में पारदर्शिता और सुशासन के नये आयाम के रूप में जोड़ गया है जिसमें तर्क देने हेतु कर्तव्य शामिल है।

कारण R : तर्क इस बात कि पुष्टि करते हैं कि निर्देश प्रासंगिक आधारों पर निर्णयकर्ता द्वारा और असंबद्ध प्रतिफलों की अवहेलना करने द्वारा संपादित लिए जाते हैं।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए।

1. A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
2. A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
3. A सत्य है लेकिन R असत्य है
4. A असत्य है लेकिन R सत्य है

A1

:

1

1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

140 58090

Given below are two statements: one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R.

Assertion A: Art. 38 (2) of the Statute of the I.C.J states, that "Provision in Art. 38 (1) shall not prejudice the power, of the court to decide a case EX AEQUO ET BONO if parties agree thereto."

Reason R: EX AEQUO ET BONO enable the court to decide upon considerations of fair dealing and good faith. Which may be independent or even contrary to law.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below.

1. Both A and R are true and R is the correct explanation of A
2. Both A and R are true but R is NOT the correct explanation of A
3. A is true but R is false
4. A is false but R is true

नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में:

अभिकथन A : आई सी जे संविधि का अनुच्छेद 38(2) कहता है कि अनुच्छेद 38(1) का उपबंध एक्स ट्वक्यो एट बोनो मामले के विनिश्चय में यदि उस पर पक्षकार सहमत हो तो न्यायालय की शक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

कारण R : 'एक्स ए इ क्यो एट बोनी' निष्पक्ष संव्यवहार और सदाशयता के प्रतिफल जो कि विधि से स्वतंत्र अथवा विपरित भी हो सकते हैं इस पर विनिश्चय के लिए न्यायालय को शक्ति देता है ।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए ।

1. A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
2. A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
3. A सत्य है लेकिन R असत्य है
4. A असत्य है लेकिन R सत्य है

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

141 58091

Read the following passage carefully and answer the question.

One is that power should not be exercised arbitrarily. This has meant that it should be exercised for the purpose for which it has been conferred. It also means that power should be exercised within the statutory ambit; and purported exercise of it would not just be ultra vires, but in true sense of the term arbitrary. Simple negation of arbitrariness is, however, not enough to preserve the Rule of Law values. Indian courts have gone further to insist on specific positive content of the Rule of Law obligations. These include the rules of nature justice which have to be followed not just in quasi-judicial action but often also in purely administrative action. The scope and content of the requirements of natural justice have varied from time to time according to the judicial interpretation, but the basic insistence remains. In addition, access to information as to the grounds of decision has remained an important preoccupation of the Indian judiciary, as any impediments to it have the tendency of obstructing judicial review of administrative action.

This means that the courts have from time to time insisted that exercise of administrative power be accompanied by reasons, although the exact status of the obligation to give reason is as yet indeterminate. The Rule of Law notion has been in addition consistently extended to secure for the individual fair dealing by the state in its economic activities.

Under what circumstances powers should be exercised arbitrarily?

1. under limited circumstances
2. Under unlimited circumstances
3. Under no circumstances
4. As per the policy of the government

निम्नलिखित गद्यांश को सावधानीपूर्वक पढ़ें और प्रश्न के उत्तर दीजिए :

एक यह है कि, शक्ति का मनमाने ढंग से प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए। इसका अर्थ यह है कि उसका उस प्रयोजन के लिए प्रयोग किया जाना चाहिए, जिसके लिए यह प्रदत्त किया गया है। इसका यह भी अर्थ है कि शक्ति का संविधिक क्षेत्र भीरत प्रयोग किया जाना चाहिए; और उसका तात्पर्यत प्रयोग सिर्फ अधिकारातीत होगा, बल्कि 'मनमाने' शब्द के अर्थ में भी सही होगा। लेकिन, माध्यस्थन की साधारण रूप से अस्वीकृति विधि के शासन के मूल्यों के संरक्षण के लिए पर्याप्त नहीं है। भारतीय न्यायालयों ने इससे आगे बढ़ कर विधि के शासन की विशिष्ट सकारात्मक विषयवस्तु पर बल दिया है। इसमें नैसर्गिक न्याय के नियम शामिल हैं, जिनका न सिर्फ अर्द्ध न्यायिक कार्यवाही, बल्कि विशुद्ध रूप से प्रशासनिक कार्यवाही में भी पालन किया जाना चाहिए। न्यायिक व्याख्या के अनुसार नैसर्गिक न्याय की आवश्यकताओं का कार्य-क्षेत्र और विषयवस्तु समय-समय पर भिन्न-भिन्न रही हैं, लेकिन इन पर व्यापक रूप से बल बना रहता है। इसके अतिरिक्त, निर्णय के आधार के रूप में सूचना तक पहुँच भारतीय न्यायपालिका की पहले से ही एक महत्वपूर्ण व्यस्तता रही है क्योंकि इसमें किसी भी विध्न की प्रशासनिक कार्यवाही की न्यायिक समीक्षा में बाधा डालने की प्रवृत्ति होती है।

इसका अर्थ है कि न्यायालयों ने समय-समय पर बल दिया है कि प्रशासनिक शक्ति का प्रयोग कारण के साथ देना चाहिए, यद्यपि इस दायित्व की ठीक-ठीक स्थिति का कारण देना अभी भी अनवधार्य है। साथ ही राज्य ने अपने आर्थिक क्रियाकलापों की प्राप्ति लिए विधि के शासन की धारणा का निरंतर विस्तार किया है।

किन परिस्थितियों में शक्ति का मनमाने ढंग से प्रयोग किया जाना चाहिए :

1. सीमित परिस्थितियों में
2. असीमित परिस्थितियों में
3. किसी भी परिस्थिति में नहीं
4. सरकार की नीति के अनुसार

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4

Objective Question

142 58092

Read the following passage carefully and answer the question.

One is that power should not be exercised arbitrarily. This has meant that it should be exercised for the purpose for which it has been conferred. It also means that power should be exercised within the statutory ambit; and purported exercise of it would not just be ultra vires, but in true sense of the term arbitrary. Simple negation of arbitrariness is, however, not enough to preserve the Rule of Law values. Indian courts have gone further to insist on specific positive content of the Rule of Law obligations. These include the rules of nature justice which have to be followed not just in quasi-judicial action but often also in purely administrative action. The scope and content of the requirements of natural justice have varied from time to time according to the judicial interpretation, but the board insistence remains. In addition, access to information as to the grounds of decision has remained an important preoccupation of the Indian judiciary, as any impediments to it have the tendency of obstructing judicial review of administrative action.

This means that the courts have from time to time insisted that exercise of administrative power be accompanied by reasons, although the exact status of the obligation to give reason is as yet indeterminate. The Rule of Law notion has been in addition consistently extended to secure for the individual fair dealing by the state in its economic activities.

Rule of Law implies

1. No one is above law
2. Some people are above law
3. Everybody is above law
4. Only Government is above law

निम्नलिखित गद्यांश को सावधानीपूर्वक पढ़ें और प्रश्न के उत्तर दीजिए :

एक यह है कि, शक्ति का मनमाने ढंग से प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए। इसका अर्थ यह है कि उसका उस प्रयोजन के लिए प्रयोग किया जाना चाहिए, जिसके लिए यह प्रदत्त किया गया है। इसका यह भी अर्थ है कि शक्ति का संविधिक क्षेत्र भीरत प्रयोग किया जाना चाहिए; और उसका तात्पर्यत प्रयोग सिर्फ अधिकारातीत होगा, बल्कि 'मनमाने' शब्द के अर्थ में भी सही होगा। लेकिन, माध्यस्थन की साधारण रूप से अस्वीकृति विधि के शासन के मूल्यों के संरक्षण के लिए पर्याप्त नहीं है। भारतीय न्यायालयों ने इससे आगे बढ़ कर विधि के शासन की विशिष्ट सकारात्मक विषयवस्तु पर बल दिया है। इसमें नैसर्गिक न्याय के नियम शामिल हैं, जिनका न सिर्फ अर्द्ध न्यायिक कार्यवाही, बल्कि विशुद्ध रूप से प्रशासनिक कार्यवाही में भी पालन किया जाना चाहिए। न्यायिक व्याख्या के अनुसार नैसर्गिक न्याय की आवश्यकताओं का कार्य-क्षेत्र और विषयवस्तु समय-समय पर भिन्न-भिन्न रही हैं, लेकिन इन पर व्यापक रूप से बल बना रहता है। इसके अतिरिक्त, निर्णय के आधार के रूप में सूचना तक पहुँच भारतीय न्यायपालिका की पहले से ही एक महत्वपूर्ण व्यस्तता रही है क्योंकि इसमें किसी भी विधन की प्रशासनिक कार्यवाही की न्यायिक समीक्षा में बाधा डालने की प्रवृत्ति होती है।

इसका अर्थ है कि न्यायालयों ने समय-समय पर बल दिया है कि प्रशासनिक शक्ति का प्रयोग कारण के साथ देना चाहिए, यद्यपि इस दायित्व की ठीक-ठीक स्थिति का कारण देना अभी भी अनवधार्य है। साथ ही राज्य ने अपने आर्थिक क्रियाकलापों की प्राप्ति लिए विधि के शासन की धारणा का निरंतर विस्तार किया है।

'विधि शासन' में अंतर्निहित है :

1. कोई भी विधि के ऊपर नहीं है
2. कुछ व्यक्ति विधि से ऊपर होते हैं
3. प्रत्येक व्यक्ति विधि से ऊपर हैं
4. केवल सरकार विधि से ऊपर है

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4

Objective Question

143 58093

Read the following passage carefully and answer the question.

One is that power should not be exercised arbitrarily. This has meant that it should be exercised for the purpose for which it has been conferred. It also means that power should be exercised within the statutory ambit; and purported exercise of it would not just be ultra vires, but in true sense of the term arbitrary. Simple negation of arbitrariness is, however, not enough to preserve the Rule of Law values. Indian courts have gone further to insist on specific positive content of the Rule of Law obligations. These include the rules of nature justice which have to be followed not just in quasi-judicial action but often also in purely administrative action. The scope and content of the requirements of natural justice have varied from time to time according to the judicial interpretation, but the board insistence remains. In addition, access to information as to the grounds of decision has remained an important preoccupation of the Indian judiciary, as any impediments to it have the tendency of obstructing judicial review of administrative action.

This means that the courts have from time to time insisted that exercise of administrative power be accompanied by reasons, although the exact status of the obligation to give reason is as yet indeterminate. The Rule of Law notion has been in addition consistently extended to secure for the individual fair dealing by the state in its economic activities.

Rule of law is:

1. Negation of arbitrariness
2. Opposom of arbitrariness
3. Simple negation of arbitrariness
4. Violation of natural justice

निम्नलिखित गद्यांश को सावधानीपूर्वक पढ़ें और प्रश्न के उत्तर दीजिए :

एक यह है कि, शक्ति का मनमाने ढंग से प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए। इसका अर्थ यह है कि उसका उस प्रयोजन के लिए प्रयोग किया जाना चाहिए, जिसके लिए यह प्रदत्त किया गया है। इसका यह भी अर्थ है कि शक्ति का संविधिक क्षेत्र भीरत प्रयोग किया जाना चाहिए; और उसका तात्पर्यत प्रयोग सिर्फ अधिकारातीत होगा, बल्कि 'मनमाने' शब्द के अर्थ में भी सही होगा। लेकिन, माध्यस्थन की साधारण रूप से अस्वीकृति विधि के शासन के मूल्यों के संरक्षण के लिए पर्याप्त नहीं है। भारतीय न्यायालयों ने इससे आगे बढ़ कर विधि के शासन की विशिष्ट सकारात्मक विषयवस्तु पर बल दिया है। इसमें नैसर्गिक न्याय के नियम शामिल हैं, जिनका न सिर्फ अर्द्ध न्यायिक कार्यवाही, बल्कि विशुद्ध रूप से प्रशासनिक कार्यवाही में भी पालन किया जाना चाहिए। न्यायिक व्याख्या के अनुसार नैसर्गिक न्याय की आवश्यकताओं का कार्य-क्षेत्र और विषयवस्तु समय-समय पर भिन्न-भिन्न रही हैं, लेकिन इन पर व्यापक रूप से बल बना रहता है। इसके अतिरिक्त, निर्णय के आधार के रूप में सूचना तक पहुँच भारतीय न्यायपालिका की पहले से ही एक महत्वपूर्ण व्यस्तता रही है क्योंकि इसमें किसी भी विध्न की प्रशासनिक कार्यवाही की न्यायिक समीक्षा में बाधा डालने की प्रवृत्ति होती है।

इसका अर्थ है कि न्यायालयों ने समय-समय पर बल दिया है कि प्रशासनिक शक्ति का प्रयोग कारण के साथ देना चाहिए, यद्यपि इस दायित्व की ठीक-ठीक स्थिति का कारण देना अभी भी अनवधार्य है। साथ ही राज्य ने अपने आर्थिक क्रियाकलापों की प्राप्ति लिए विधि के शासन की धारणा का निरंतर विस्तार किया है।

विधि शासन हैं :

1. मनमानेपन की अस्वीकृति
2. मनमानेपन का अनुमोदन
3. मनमानेपन की साधारण रूप से अस्वीकृति
4. नैसर्गिक न्याय का उल्लंघन

A1 1

: 1

A2 2

: 2

A3 3

: 3

A4 4

: 4

Objective Question

144 58094

Read the following passage carefully and answer the question.

One is that power should not be exercised arbitrarily. This has meant that it should be exercised for the purpose for which it has been conferred. It also means that power should be exercised within the statutory ambit; and purported exercise of it would not just be ultra vires, but in true sense of the term arbitrary. Simple negation of arbitrariness is, however, not enough to preserve the Rule of Law values. Indian courts have gone further to insist on specific positive content of the Rule of Law obligations. These include the rules of nature justice which have to be followed not just in quasi-judicial action but often also in purely administrative action. The scope and content of the requirements of natural justice have varied from time to time according to the judicial interpretation, but the board insistence remains. In addition, access to information as to the grounds of decision has remained an important preoccupation of the Indian judiciary, as any impediments to it have the tendency of obstructing judicial review of administrative action.

This means that the courts have from time to time insisted that exercise of administrative power be accompanied by reasons, although the exact status of the obligation to give reason is as yet indeterminate. The Rule of Law notion has been in addition consistently extended to secure for the individual fair dealing by the state in its economic activities.

Specific positive content of the rule of law is

1. Must be complied with
2. may not be complied with
3. Complied in limited content
4. Complied under modified circumstances

निम्नलिखित गद्यांश को सावधानीपूर्वक पढ़ें और प्रश्न के उत्तर दीजिए :

एक यह है कि, शक्ति का मनमाने ढंग से प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए। इसका अर्थ यह है कि उसका उस प्रयोजन के लिए प्रयोग किया जाना चाहिए, जिसके लिए यह प्रदत्त किया गया है। इसका यह भी अर्थ है कि शक्ति का संविधिक क्षेत्र भीरत प्रयोग किया जाना चाहिए; और उसका तात्पर्यत प्रयोग सिर्फ अधिकारातीत होगा, बल्कि 'मनमाने' शब्द के अर्थ में भी सही होगा। लेकिन, माध्यस्थन की साधारण रूप से अस्वीकृति विधि के शासन के मूल्यों के संरक्षण के लिए पर्याप्त नहीं है। भारतीय न्यायालयों ने इससे आगे बढ़ कर विधि के शासन की विशिष्ट सकारात्मक विषयवस्तु पर बल दिया है। इसमें नैसर्गिक न्याय के नियम शामिल हैं, जिनका न सिर्फ अर्द्ध न्यायिक कार्यवाही, बल्कि विशुद्ध रूप से प्रशासनिक कार्यवाही में भी पालन किया जाना चाहिए। न्यायिक व्याख्या के अनुसार नैसर्गिक न्याय की आवश्यकताओं का कार्य-क्षेत्र और विषयवस्तु समय-समय पर भिन्न-भिन्न रही हैं, लेकिन इन पर व्यापक रूप से बल बना रहता है। इसके अतिरिक्त, निर्णय के आधार के रूप में सूचना तक पहुँच भारतीय न्यायपालिका की पहले से ही एक महत्वपूर्ण व्यस्तता रही है क्योंकि इसमें किसी भी विध्न की प्रशासनिक कार्यवाही की न्यायिक समीक्षा में बाधा डालने की प्रवृत्ति होती है।

इसका अर्थ है कि न्यायालयों ने समय-समय पर बल दिया है कि प्रशासनिक शक्ति का प्रयोग कारण के साथ देना चाहिए, यद्यपि इस दायित्व की ठीक-ठीक स्थिति का कारण देना अभी भी अनवधार्य है। साथ ही राज्य ने अपने आर्थिक क्रियाकलापों की प्राप्ति लिए विधि के शासन की धारणा का निरंतर विस्तार किया है।

'विधि शासन' की विशिष्ट विषयवस्तु :

1. का अनिवार्यत : पालन किया जाना चाहिए।
2. का पालन नहीं किया जा सकता है।
3. सीमित विषयवस्तु में पालन किया जाता है।
4. रूपांतरित परिस्थितियों में पालन किया जाता है।

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4

Objective Question

145 58095

Read the following passage carefully and answer the question.

One is that power should not be exercised arbitrarily. This has meant that it should be exercised for the purpose for which it has been conferred. It also means that power should be exercised within the statutory ambit; and purported exercise of it would not just be ultra vires, but in true sense of the term arbitrary. Simple negation of arbitrariness is, however, not enough to preserve the Rule of Law values. Indian courts have gone further to insist on specific positive content of the Rule of Law obligations. These include the rules of nature justice which have to be followed not just in quasi-judicial action but often also in purely administrative action. The scope and content of the requirements of natural justice have varied from time to time according to the judicial interpretation, but the board insistence remains. In addition, access to information as to the grounds of decision has remained an important preoccupation of the Indian judiciary, as any impediments to it have the tendency of obstructing judicial review of administrative action.

This means that the courts have from time to time insisted that exercise of administrative power be accompanied by reasons, although the exact status of the obligation to give reason is as yet indeterminate. The Rule of Law notion has been in addition consistently extended to secure for the individual fair dealing by the state in its economic activities.

Rule of Law notion is extended to secure

1. fair dealing by State in limited activities
2. fair dealing by State in all its activities
3. fair dealing by State only in the economic activities
4. State has no concern

निम्नलिखित गद्यांश को सावधानीपूर्वक पढ़ें और प्रश्न के उत्तर दीजिए :

एक यह है कि, शक्ति का मनमाने ढंग से प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए। इसका अर्थ यह है कि उसका उस प्रयोजन के लिए प्रयोग किया जाना चाहिए, जिसके लिए यह प्रदत्त किया गया है। इसका यह भी अर्थ है कि शक्ति का संविधिक क्षेत्र भीरत प्रयोग किया जाना चाहिए; और उसका तात्पर्यत प्रयोग सिर्फ अधिकारातीत होगा, बल्कि 'मनमाने' शब्द के अर्थ में भी सही होगा। लेकिन, माध्यस्थन की साधारण रूप से अस्वीकृति विधि के शासन के मूल्यों के संरक्षण के लिए पर्याप्त नहीं है। भारतीय न्यायालयों ने इससे आगे बढ़ कर विधि के शासन की विशिष्ट सकारात्मक विषयवस्तु पर बल दिया है। इसमें नैसर्गिक न्याय के नियम शामिल हैं, जिनका न सिर्फ अर्द्ध न्यायिक कार्यवाही, बल्कि विशुद्ध रूप से प्रशासनिक कार्यवाही में भी पालन किया जाना चाहिए। न्यायिक व्याख्या के अनुसार नैसर्गिक न्याय की आवश्यकताओं का कार्य-क्षेत्र और विषयवस्तु समय-समय पर भिन्न-भिन्न रही हैं, लेकिन इन पर व्यापक रूप से बल बना रहता है। इसके अतिरिक्त, निर्णय के आधार के रूप में सूचना तक पहुँच भारतीय न्यायपालिका की पहले से ही एक महत्वपूर्ण व्यस्तता रही है क्योंकि इसमें किसी भी विघ्न की प्रशासनिक कार्यवाही की न्यायिक समीक्षा में बाधा डालने की प्रवृत्ति होती है।

इसका अर्थ है कि न्यायालयों ने समय-समय पर बल दिया है कि प्रशासनिक शक्ति का प्रयोग कारण के साथ देना चाहिए, यद्यपि इस दायित्व की ठीक-ठीक स्थिति का कारण देना अभी भी अनवधार्य है। साथ ही राज्य ने अपने आर्थिक क्रियाकलापों की प्राप्ति लिए विधि के शासन की धारणा का निरंतर विस्तार किया है।

'विधि के शासन' की धारणा का किसकी प्राप्ति के लिए विस्तार किया गया है :

1. राज्य द्वारा सीमित क्रियाकलापों में उचितसंव्यवहार
2. राज्य द्वारा सभी क्रियाकलापों में उचितसंव्यवहार
3. राज्य द्वारा केवल आर्थिक क्रियाकलापों में उचित संव्यवहार
4. राज्य का कोई सरोकार नहीं है।

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4

Objective Question

146 58096

Read the passage carefully and answer the question.

“Where a legal wrong or legal injury is caused to a person or to a determinate class of person by reason of violation of any Constitutional or Legal right and such person or determinate class of persons is by reason of poverty, helplessness or disability or socially or economically disadvantaged position unable to approach the court for relief, any member of the public can maintain an application for an appropriate direction or order or writ in the High Court under Article 226 or in case of breach of any Fundamental Right to this court under Article 32. Where the weaker section of the community are concerned such as undertrial prisoners languishing in jails without a trial, inmates of the protective Home in Agra, or Harijan workers engaged in road construction in the District of Ajmer, who are living in poverty and desolation, who are barely eking out a miserable existence with their sweat and toil, who are helpless victims of an exploitative society and who do not have easy access to justice, the Supreme Court will not insist on a regular writ petition to be filed by the public spirited individual espousing their cause and seeking relief for them. The Supreme court will readily respond to the letter addressed by such individual acting *pro bono publico*. It is true that there are rules made by the Supreme Court prescribing the procedure for moving it for relief under Article 32 and they require various formalities to be gone through by a person seeking to approach it. But it must not be forgotten that procedure is but a handmaid of justice and the cause of justice may never be allowed to be wasted by any procedural technicalities. The Court will therefore unhesitatingly cast aside the technical rules of procedure in the exercise of its dispensing power and treat the letter of the public minded individual as a writ-petition and act upon it.”

Choose the first case in which the Public Interest Litigation (PIL) was invoked:

1. *Sheela Barse v. UOI*
2. *Bandua Mukti Morcha v. UOI*
3. *P.U.D.R v. UOI*
4. *Mumbai Kamgar Sabha v. Abdul Bhai*

निम्नलिखित गद्यांश के सावधानीपूर्वक पढ़ें और दिए गए वस्तु-वस्तु से संबंधित तथ्य के आधार पर प्रश्न के उत्तर दीजिए :

जहां किसी व्यक्ति अथवा किसी व्यक्ति पर्यवासित समूह को कोई विधिक त्रुटि होती है या उन्हें कोई विधिक क्षति पहुंचती है और इसका कारण किसी संवैधानिक अथवा विधिक अधिकार का उल्लंघन है और ऐसा व्यक्ति अथवा व्यक्तियों का पर्यवासित समूह निर्धनता, बेबसी या निःशक्तता या सामाजिक अथवा आर्थिक दृष्टि से उपेक्षित दशा में है और राहत के लिए न्यायालय तक नहीं पहुंच सकता है तो एसी दशा में तो उस समूह में से कोई भी व्यक्ति किस्स समुपयुक्त निदेश या आदेश अथवा अनुच्छेद 226 के अधीन रिट के निमित्त उच्च न्यायालय में आवेदन (प्रार्थना पत्र) प्रस्तुत कर सकता है अथवा किसी मौलिक अधिकार का उल्लंघन होने की दशा में अनुच्छेद 32 के अधीन उच्चतम न्यायालय का उपागम ले सकती है।

जहां समुदाय के कमजोर तबके यथा बिना विचारण के जेलों में पड़े हुए पैरवी, आगार स्थित संरक्षण गृह में अभिरक्षा में रखे गए व्यक्तियों अथवा गरीबी में जीवन व्यतीत कर रहे अजमेर जिले के सड़क निर्माण में कार्यरत हरिजन कर्मकार जो अपनी खून पसीना बहाकर किसी तरह गुजर बसर कर रहे हैं, जो शोषण कारी समाज के निस्सहाय पीड़ित हैं और जिन्हें न्याय प्राप्त करने का साधन सुलभतापूर्वक उपलब्ध नहीं है, का संबंध है, उच्चतम न्यायालय जनहित में कार्य करने वाले व्यक्ति द्वारा इन दुर्बल, निःसहाय और कमजोर तब के राहत देने के आशय से नियमित रिट याचिका दायर करने पर बल नहीं देगा। उच्चतम न्यायालय जनहित में कार्य करने वाले ऐसे व्यक्ति द्वारा प्रेषित पत्र का तत्काल प्रत्योत्तर देगा।

यह सत्य है कि उच्चतम न्यायालय द्वारा नियम बनाए गए हैं जिसमें अनुच्छेद 32 के अधीन राहत के लिए जनहित याचिका दायर करने की प्रक्रिया विहित भी की गई है और याचिका दायर करने वाले व्यक्ति को विभिन्न औपचारिकताओं से गुजरने की भी अपेक्षा की गई है। किन्तु इस बात को नहीं भूलना चाहिए कि प्रक्रिया (कार्यविधि) निश्चित तौर पर निर्धारित है, किन्तु यह केवल न्याय प्राप्ति का साधन मात्र है और न्याय प्राप्त के मार्ग में किसी भी प्रक्रियात्मक तकनीकी संबंधी अवयवों को प्रबाधक बनने की अनुमति नहीं दी जायेगी। अत एव न्यायालय अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिना किस्स झिझक के कार्य संचालन संबंधी तकनीकी प्रक्रियात्मक नियमों को शामिल करता है और जन हितेषी व्यक्ति द्वारा प्रेषित पत्र को रिट याचिका मानेगा है और इस पर कार्रवाई करेगा।

उस सर्वप्रथम मामले को चुनिए, जिसमें जनहित याचिका (पी.आई.एल.) को लागू किया गया था :

1. शीला बार्से बनाम भारत संघ
2. बंधुआ मुक्ति मोर्चा बनाम भारत संघ
3. पी.यू.डी.आर. बनाम भारत संघ
4. मुंबई कामगार सभा बनाम अब्दुल भाई

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

147 58097

Read the passage carefully and answer the question.

“Where a legal wrong or legal injury is caused to a person or to a determinate class of person by reason of violation of any Constitutional or Legal right and such person or determinate class of persons is by reason of poverty, helplessness or disability or socially or economically disadvantaged position unable to approach the court for relief, any member of the public can maintain an application for an appropriate direction or order or writ in the High Court under Article 226 or in case of breach of any Fundamental Right to this court under Article 32. Where the weaker section of the community are concerned such as undertrial prisoners languishing in jails without a trial, inmates of the protective Home in Agra, or Harijan workers engaged in road construction in the District of Ajmer, who are living in poverty and desolation, who are barely eking out a miserable existence with their sweat and toil, who are helpless victims of an exploitative society and who do not have easy access to justice, the Supreme Court will not insist on a regular writ petition to be filed by the public spirited individual espousing their cause and seeking relief for them. The Supreme court will readily respond to the letter addressed by such individual acting *pro bono publico*. It is true that there are rules made by the Supreme Court prescribing the procedure for moving it for relief under Article 32 and they require various formalities to be gone through by a person seeking to approach it. But it must not be forgotten that procedure is but a handmaid of justice and the cause of justice may never be allowed to be wasted by any procedural technicalities. The Court will therefore unhesitatingly cast aside the technical rules of procedure in the exercise of its dispensing power and treat the letter of the public minded individual as a writ-petition and act upon it.”

PIL cases are :

1. Private Interest cases
2. Personal Interest cases
3. Public Interest cases
4. Permanent Interest cases

निम्नलिखित गद्यांश के सावधानीपूर्वक पढ़ें और दिए गए वस्तु-वस्तु से संबंधित तथ्य के आधार पर प्रश्न के उत्तर दीजिए :

जहां किसी व्यक्ति अथवा किसी व्यक्ति पर्यवासित समूह को कोई विधिक त्रुटि होती है या उन्हें कोई विधिक क्षति पहुंचती है और इसका कारण किसी संवैधानिक अथवा विधिक अधिकार का उल्लंघन है और ऐसा व्यक्ति अथवा व्यक्तियों का पर्यवासित समूह निर्धनता, बेबसी या निःशक्तता या सामाजिक अथवा आर्थिक दृष्टि से उपेक्षित दशा में है और राहत के लिए न्यायालय तक नहीं पहुंच सकता है तो एसी दशा में तो उस समूह में से कोई भी व्यक्ति किस्म समुपयुक्त निदेश या आदेश अथवा अनुच्छेद 226 के अधीन रिट के निमित्त उच्च न्यायालय में आवेदन (प्रार्थना पत्र) प्रस्तुत कर सकता है अथवा किसी मौलिक अधिकार का उल्लंघन होने की दशा में अनुच्छेद 32 के अधीन उच्चतम न्यायालय का उपागम ले सकती है।

जहां समुदाय के कमजोर तबके यथा बिना विचारण के जेलों में पड़े हुए पैरवी, आगार स्थित संरक्षण गृह में अभिरक्षा में रखे गए व्यक्तियों अथवा गरीबी में जीवन व्यतीत कर रहे अजमेर जिले के सड़क निर्माण में कार्यरत हरिजन कर्मकार जो अपनी खून पसीना बहाकर किसी तरह गुजर बसर कर रहे हैं, जो शोषण कारी समाज के निस्सहाय पीड़ित हैं और जिन्हें न्याय प्राप्त करने का साधन सुलभतापूर्वक उपलब्ध नहीं है, का संबंध है, उच्चतम न्यायालय जनहित में कार्य करने वाले व्यक्ति द्वारा इन दुर्बल, निःसहाय और कमजोर तब के राहत देने के आशय से नियमित रिट याचिका दायर करने पर बल नहीं देगा। उच्चतम न्यायालय जनहित में कार्य करने वाले ऐसे व्यक्ति द्वारा प्रेषित पत्र का तत्काल प्रत्युत्तर देगा।

यह सत्य है कि उच्चतम न्यायालय द्वारा नियम बनाए गए हैं जिसमें अनुच्छेद 32 के अधीन राहत के लिए जनहित याचिका दायर करने की प्रक्रिया विहित भी की गई है और याचिका दायर करने वाले व्यक्ति को विभिन्न औपचारिकताओं से गुजरने की भी अपेक्षा की गई है। किन्तु इस बात को नहीं भूलना चाहिए कि प्रक्रिया (कार्यविधि) निश्चित तौर पर निर्धारित है, किन्तु यह केवल न्याय प्राप्ति का साधन मात्र है और न्याय प्राप्त के मार्ग में किसी भी प्रक्रियात्मक तकनीकी संबंधी अवयवों को प्रबाधक बनने की अनुमति नहीं दी जायेगी। अत एव न्यायालय अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिना किस्म द्विज्ञक के कार्य संचालन संबंधी तकनीकी प्रक्रियात्मक नियमों को शामिल करता है और जन हितैषी व्यक्ति द्वारा प्रेषित पत्र को रिट याचिका मानेगा है और इस पर कार्यवाई करेगा।

पी. आई. एल. मामले हैं :

1. निजी हित के मामले
2. वैयक्तिक हित के मामले
3. जन-हित के मामले
4. स्थायी हित के मामले

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

148 58098 Read the passage carefully and answer the question.

“Where a legal wrong or legal injury is caused to a person or to a determinate class of person by reason of violation of any Constitutional or Legal right and such person or determinate class of persons is by reason of poverty, helplessness or disability or socially or economically disadvantaged position unable to approach the court for relief, any member of the public can maintain an application for an appropriate direction or order or writ in the High Court under Article 226 or in case of breach of any Fundamental Right to this court under Article 32. Where the weaker section of the community are concerned such as undertrial prisoners languishing in jails without a trial, inmates of the protective Home in Agra , or Harijan workers engaged in road construction in the District of Ajmer, who are living in poverty and desolation, who are barely eking out a miserable existence with their sweat and toil, who are helpless victims of an exploitative society and who do not have easy access to justice, the Supreme Court will not insist on a regular writ petition to be filed by the public spirited individual espousing their cause and seeking relief for them. The Supreme court will readily respond to the letter addressed by such individual acting *pro bono publico*. It is true that there are rules made by the Supreme Court prescribing the procedure for moving it for relief under Article 32 and they require various formalities to be gone through by a person seeking to approach it. But it must not be forgotten that procedure is but a handmaid of justice and the cause of justice may never be allowed to be wasted by any procedural technicalities. The Court will therefore unhesitatingly cast aside the technical rules of procedure in the exercise of its dispensing power and treat the letter of the public minded individual as a writ-petition and act upon it.”

Under which Article of the constitution of India , one can maintain an application to the Supreme Court for an appropriate remedy in PIL cases:

1. Article 226
2. Article 21
3. Article 19
4. Article 32

निम्नलिखित गद्यांश के सावधानीपूर्वक पढ़े और दिए गए वस्तु-वस्तु से संबंधित तथ्य के आधार पर प्रश्न के उत्तर दीजिए :

जहां किसी व्यक्ति अथवा किसी व्यक्ति पर्यवासित समूह को कोई विधिक त्रुटि होती है या उन्हें कोई विधिक क्षति पहुंचती है और इसका कारण किसी संवैधानिक अथवा विधिक अधिकार का उल्लंघन है और ऐसा व्यक्ति अथवा व्यक्तियों का पर्यवासित समूह निर्धनता, बेबसी या निःशक्तता या सामाजिक अथवा आर्थिक दृष्टि से उपेक्षित दशा में है और राहत के लिए न्यायालय तक नहीं पहुंच सकता है तो एसी दशा में तो उस समूह में से कोई भी व्यक्ति किस समुपयुक्त निदेश या आदेश अथवा अनुच्छेद 226 के अधीन रिट के निमित्त उच्च न्यायालय में आवेदन (प्रार्थना पत्र) प्रस्तुत कर सकता है अथवा किसी मौलिक अधिकार का उल्लंघन होने की दशा में अनुच्छेद 32 के अधीन उच्चतम न्यायालय का उपागम ले सकती है ।

जहां समुदाय के कमजोर तबके यथा बिना विचारण के जेलों में पड़े हुए पैरवी, आगार स्थित संरक्षण गृह में अभिरक्षा में रखे गए व्यक्तियों अथवा गरीबी में जीवन व्यतीत कर रहे अजमेर जिले के सड़क निर्माण में कार्यरत हरिजन कर्मकार जो अपनी खून पसीना बहाकर किसी तरह गुजर बसर कर रहे हैं, जो शोषण कारी समाज के निस्सहाय पीड़ित हैं और जिन्हें न्याय प्राप्त करने का साधन सुलभतापूर्वक उपलब्ध नहीं है, का संबंध है, उच्चतम न्यायालय जनहित में कार्य करने वाले व्यक्ति द्वारा इन दुर्बल, निःसहाय और कमजोर तब के राहत देने के आशय से नियमित रिट याचिका दायर करने पर बल नहीं देगा । उच्चतम न्यायालय जनहित में कार्य करने वाले ऐसे व्यक्ति द्वारा प्रेषित पत्र का तत्काल प्रत्युत्तर देगा ।

यह सत्य है कि उच्चतम न्यायालय द्वारा नियम बनाए गए हैं जिसमें अनुच्छेद 32 के अधीन राहत के लिए जनहित याचिका दायर करने की प्रक्रिया विहित भी की गई है और याचिका दायर करने वाले व्यक्ति को विभिन्न औपचारिकताओं से गुजरने की भी अपेक्षा की गई है। किन्तु इस बात को नहीं भूलना चाहिए कि प्रक्रिया (कार्यविधि) निश्चित तौर पर निर्धारित है, किन्तु यह केवल न्याय प्राप्ति का साधन मात्र है और न्याय प्राप्त के मार्ग में किसी भी प्रक्रियात्मक तकनीकी संबंधी अवयवों को प्रबाधक बनने की अनुमति नहीं दी जायेगी। अत एव न्यायालय अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिना किस झिझक के कार्य संचालन संबंधी तकनीकी प्रक्रियात्मक नियमों को शामिल करता है और जन हितैषी व्यक्ति द्वारा प्रेषित पत्र को रिट याचिका मानेगा है और इस पर कार्रवाई करेगा ।

भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत कोई व्यक्ति पी. आई. एल. के मामलों में किस उपयुक्त उपचार के लिए सर्वोच्च न्यायालय को एक आवेदन दे सकता है :

1. अनुच्छेद-226
2. अनुच्छेद-21
3. अनुच्छेद-19
4. अनुच्छेद-32

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4



Objective Question

149 58099

Read the passage carefully and answer the question.

“Where a legal wrong or legal injury is caused to a person or to a determinate class of person by reason of violation of any Constitutional or Legal right and such person or determinate class of persons is by reason of poverty, helplessness or disability or socially or economically disadvantaged position unable to approach the court for relief, any member of the public can maintain an application for an appropriate direction or order or writ in the High Court under Article 226 or in case of breach of any Fundamental Right to this court under Article 32. Where the weaker section of the community are concerned such as undertrial prisoners languishing in jails without a trial, inmates of the protective Home in Agra, or Harijan workers engaged in road construction in the District of Ajmer, who are living in poverty and desolation, who are barely eking out a miserable existence with their sweat and toil, who are helpless victims of an exploitative society and who do not have easy access to justice, the Supreme Court will not insist on a regular writ petition to be filed by the public spirited individual espousing their cause and seeking relief for them. The Supreme court will readily respond to the letter addressed by such individual acting *pro bono publico*. It is true that there are rules made by the Supreme Court prescribing the procedure for moving it for relief under Article 32 and they require various formalities to be gone through by a person seeking to approach it. But it must not be forgotten that procedure is but a handmaid of justice and the cause of justice may never be allowed to be wasted by any procedural technicalities. The Court will therefore unhesitatingly cast aside the technical rules of procedure in the exercise of its dispensing power and treat the letter of the public minded individual as a writ-petition and act upon it.”

Article 32 requires various procedural formalities to be gone through by a person seeking to approach the Supreme Court.

- It is necessary to follow all technical formalities even in PIL cases
- It is not necessary to follow the technical formalities in such cases
- The Supreme Court may even treat a letter addressed to it as writ petition in PIL
- Rule of *locus standi* is not relaxed in such cases

Choose the correct option(s)

- Only B is correct
- Only B and C are correct
- Only C is correct
- Only A and B are correct

निम्नलिखित गद्यांश के सावधानीपूर्वक पढ़े और दिए गए वस्तु-वस्तु से संबंधित तथ्य के आधार पर प्रश्न के उत्तर दीजिए :

जहां किसी व्यक्ति अथवा किसी व्यक्ति पर्यवासित समूह को कोई विधिक त्रुटि होती है या उन्हें कोई विधिक क्षति पहुंचती है और इसका कारण किसी संवैधानिक अथवा विधिक अधिकार का उल्लंघन है और ऐसा व्यक्ति अथवा व्यक्तियों का पर्यवासित समूह निर्धनता, बेबसी या निःशक्तता या सामाजिक अथवा आर्थिक दृष्टि से उपेक्षित दशा में है और राहत के लिए न्यायालय तक नहीं पहुंच सकता है तो एसी दशा में तो उस समूह में से कोई भी व्यक्ति किस समुपयुक्त निदेश या आदेश अथवा अनुच्छेद 226 के अधीन रिट के निमित्त उच्च न्यायालय में आवेदन (प्रार्थना पत्र) प्रस्तुत कर सकता है अथवा किसी मौलिक अधिकार का उल्लंघन होने की दशा में अनुच्छेद 32 के अधीन उच्चतम न्यायालय का उपागम ले सकती है।

जहां समुदाय के कमजोर तबके यथा बिना विचारण के जेलों में पड़े हुए पैरवी, आगार स्थित संरक्षण गृह में अभिरक्षा में रखे गए व्यक्तियों अथवा गरीबी में जीवन व्यतीत कर रहे अजमेर जिले के सड़क निर्माण में कार्यरत हरिजन कर्मकार जो अपनी खून पसीना बहाकर किसी तरह गुजर बसर कर रहे हैं, जो शोषण कारी समाज के निस्सहाय पीड़ित हैं और जिन्हें न्याय प्राप्त करने का साधन सुलभतापूर्वक उपलब्ध नहीं है, का संबंध है, उच्चतम न्यायालय जनहित में कार्य करने वाले व्यक्ति द्वारा इन दुर्बल, निःसहाय और कमजोर तब के राहत देने के आशय से नियमित रिट याचिका दायर करने पर बल नहीं देगा। उच्चतम न्यायालय जनहित में कार्य करने वाले ऐसे व्यक्ति द्वारा प्रेषित पत्र का तत्काल प्रत्योत्तर देगा।

यह सत्य है कि उच्चतम न्यायालय द्वारा नियम बनाए गए हैं जिसमें अनुच्छेद 32 के अधीन राहत के लिए जनहित याचिका दायर करने की प्रक्रिया विहित भी की गई है और याचिका दायर करने वाले व्यक्ति को विभिन्न औपचारिकताओं से गुजरने की भी अपेक्षा की गई है। किन्तु इस बात को नहीं भूलना चाहिए कि प्रक्रिया (कार्यविधि) निश्चित तौर पर निर्धारित है, किन्तु यह केवल न्याय प्राप्ति का साधन मात्र है और न्याय प्राप्त के मार्ग में किसी भी प्रक्रियात्मक तकनीकी संबंधी अवयवों को प्रबाधक बनने की अनुमति नहीं दी जायेगी। अत एव न्यायालय अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिना किस झिझक के कार्य संचालन संबंधी तकनीकी प्रक्रियात्मक नियमों को शामिल करता है और जन हितैषी व्यक्ति द्वारा प्रेषित पत्र को रिट याचिका मानेगा है और इस पर कार्रवाई करेगा।

अनुच्छेद 32 के अंतर्गत आवश्यक है कि सर्वोच्च न्यायालय में न्याय पाने का इच्छुक व्यक्ति विभिन्न प्रक्रियात्मक औपचारिकताओं से गुजरे। सही विकल्प चुनिए :

- पी. आई. एल. में भी तकनीकी औपचारिकताओं का पालन करना आवश्यक है।
- ऐसे मामलों में तकनीकी औपचारिकताओं का पालन करना आवश्यकता नहीं है।
- सर्वोच्च न्यायालय एक संबोधित किए गए पत्र को भी समादेश याचिका के रूप में मान सकता है।
- ऐसे मामलों में सुने जाने के अधिकार के नियम में ढील नहीं दी जाती है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

150 58100

Read the passage carefully and answer the question.

“Where a legal wrong or legal injury is caused to a person or to a determinate class of person by reason of violation of any Constitutional or Legal right and such person or determinate class of persons is by reason of poverty, helplessness or disability or socially or economically disadvantaged position unable to approach the court for relief, any member of the public can maintain an application for an appropriate direction or order or writ in the High Court under Article 226 or in case of breach of any Fundamental Right to this court under Article 32. Where the weaker section of the community are concerned such as undertrial prisoners languishing in jails without a trial, inmates of the protective Home in Agra , or Harijan workers engaged in road construction in the District of Ajmer, who are living in poverty and desolation, who are barely eking out a miserable existence with their sweat and toil, who are helpless victims of an exploitative society and who do not have easy access to justice, the Supreme Court will not insist on a regular writ petition to be filed by the public spirited individual espousing their cause and seeking relief for them. The Supreme court will readily respond to the letter addressed by such individual acting *pro bono publico*. It is true that there are rules made by the Supreme Court prescribing the procedure for moving it for relief under Article 32 and they require various formalities to be gone through by a person seeking to approach it. But it must not be forgotten that procedure is but a handmaid of justice and the cause of justice may never be allowed to be wasted by any procedural technicalities. The Court will therefore unhesitatingly cast aside the technical rules of procedure in the exercise of its dispensing power and treat the letter of the public minded individual as a writ-petition and act upon it.”

In PIL cases the Supreme Court on a regular writ petition has insisted that it should be filed by a public spirited individual espousing the cause. Choose the correct option

1. Supreme Court will insists always
2. Supreme Court may waive this
3. Supreme Court can not insist
4. Person filing the petition should be related to the aggrieved party

निम्नलिखित गद्यांश के सावधानीपूर्वक पढ़े और दिए गए वस्तु-वस्तु से संबंधित तथ्य के आधार पर प्रश्न के उत्तर दीजिए :

जहां किसी व्यक्ति अथवा किसी व्यक्ति पर्यवासित समूह को कोई विधिक त्रुटि होती है या उन्हें कोई विधिक क्षति पहुंचती है और इसका कारण किसी संवैधानिक अथवा विधिक अधिकार का उल्लंघन है और ऐसा व्यक्ति अथवा व्यक्तियों का पर्यवासित समूह निर्धनता, बेबसी या निःशक्तता या सामाजिक अथवा आर्थिक दृष्टि से उपेक्षित दशा में है और राहत के लिए न्यायालय तक नहीं पहुंच सकता है तो एसी दशा में तो उस समूह में से कोई भी व्यक्ति किस समुपयुक्त निदेश या आदेश अथवा अनुच्छेद 226 के अधीन रिट के निमित्त उच्च न्यायालय में आवेदन (प्रार्थना पत्र) प्रस्तुत कर सकता है अथवा किसी मौलिक अधिकार का उल्लंघन होने की दशा में अनुच्छेद 32 के अधीन उच्चतम न्यायालय का उपागम ले सकती है ।

जहां समुदाय के कमजोर तबके यथा बिना विचारण के जेलों में पड़े हुए पैरवी, आगार स्थित संरक्षण गृह में अभिरक्षा में रखे गए व्यक्तियों अथवा गरीबी में जीवन व्यतीत कर रहे अजमेर जिले के सड़क निर्माण में कार्यरत हरिजन कर्मकार जो अपनी खून पसीना बहाकर किसी तरह गुजर बसर कर रहे हैं, जो शोषण कारी समाज के निस्सहाय पीड़ित हैं और जिन्हें न्याय प्राप्त करने का साधन सुलभतापूर्वक उपलब्ध नहीं है, का संबंध है, उच्चतम न्यायालय जनहित में कार्य करने वाले व्यक्ति द्वारा इन दुर्बल, निःसहाय और कमजोर तब के राहत देने के आशय से नियमित रिट याचिका दायर करने पर बल नहीं देगा । उच्चतम न्यायालय जनहित में कार्य करने वाले ऐसे व्यक्ति द्वारा प्रेषित पत्र का तत्काल प्रत्युत्तर देगा ।

यह सत्य है कि उच्चतम न्यायालय द्वारा नियम बनाए गए हैं जिसमें अनुच्छेद 32 के अधीन राहत के लिए जनहित याचिका दायर करने की प्रक्रिया विहित भी की गई है और याचिका दायर करने वाले व्यक्ति को विभिन्न औपचारिकताओं से गुजरने की भी अपेक्षा की गई है। किन्तु इस बात को नहीं भूलना चाहिए कि प्रक्रिया (कार्यविधि) निश्चित तौर पर निर्धारित है, किन्तु यह केवल न्याय प्राप्ति का साधन मात्र है और न्याय प्राप्त के मार्ग में किसी भी प्रक्रियात्मक तकनीकी संबंधी अवयवों को प्रबाधक बनने की अनुमति नहीं दी जायेगी। अत एव न्यायालय अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिना किस झिझक के कार्य संचालन संबंधी तकनीकी प्रक्रियात्मक नियमों को शामिल करता है और जन हितैषी व्यक्ति द्वारा प्रेषित पत्र को रिट याचिका मानेगा है और इस पर कार्रवाई करेगा ।

जनहित याचिका के मामलों में उच्चतम न्यायालय नियमित तौर पर इस बात पर जोर दिया है कि यह जन हितार्थ की भावना से कार्य करने वाले व्यक्ति द्वारा दायर किया जाना चाहिए । इस संदर्भ में सही विकल्प चुनिए :

1. उच्चतम न्यायालय सदैव इस पर बल देगा ।
2. उच्चतम न्यायालय इससे छूट दे जाता है ।
3. उच्चतम न्यायालय इस पर बल नहीं देगा।
4. याचिका दायर करनेवाला व्यक्ति व्यथित पक्षकार से संबंधित होना चाहिए ।

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4

